RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः79, रविवार, 03 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

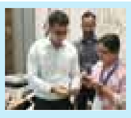
जनगणना-2027 के प्रथम चरण की शुरुआत, डीएम आवास का मकान सूचीकरण कार्य सम्पन्न 03

पूर्वी चम्पारण का बढ़ा मानः मास्टर ट्रेनर मुकेश कुमार ब्राजील दौरे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल... 04

भूत बंगला के 100 करोड़ी बनने पर खुशी से झूमीं वामिका गब्बी 07

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के कांकेर में आईईडी ब्लास्ट

● डीआरजी के तीन जवान हो गए शहीद, एक घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर से बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां आईईडी धमाके में डीआरजी के 3 जवान बलिदान हो गए, जबकि एक जवान घायल है। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बल के जवान थाना छोटेबेठिया अंतर्गत कांकेर-नारायणपुर जिले के सीमा क्षेत्र में डी-माइनिंग, एरिया डॉमिनेशन व सर्च ऑपरेशन के लिए टीम रवाना हुए थे। जहां पहले से बिछा कर रखी गई बारूदी सुरंग हटाने के

दौरान दुर्घटनावश आईईडी में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि जवानों को भागने का मौका नहीं मिला। हादसे में घायल जवानों का तुरंत रेस्क्यू किया गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण तीन जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं एक घायल जवान का उपचार जारी है।

विस्फोट की चपेट में आने से कांकेर डीआरजी के चार सदस्य घायल हो गए। इनमें से इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कांस्टेबल कृष्णा कोमरा, कांस्टेबल संजय गढपाले विस्फोटस्थल पर ही बलिदान हो गए। घायल कांस्टेबल परमानंद कोमरा को बेहतर उपचार के लिए जरूरी सुविधा दी जा रही है।

सैकड़ों आईईडी नष्ट कर चुके हैं सुरक्षाकर्मी- बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टिलिंगम ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में आत्मसमर्पित माओवादी कैडरों ने छिपाए गए आईईडी की जानकारी दी है। सुरक्षा बल लगातार उन्हें निष्क्रिय करने में लगे हुए हैं। शनिवार को कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी उसमें विस्फोट हो गया। तीन पुलिस बल के सदस्यों की घटनास्थल पर भी मौत हो गई जबकि एक पुलिस बल का सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुणे में 4 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या

● लोगों ने हाईवे किया जाम, 65 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ पर 65 वर्षीय एक आरोपी को 4 साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप में गिरफ्तार किया गया है। घटना की सूचना इलाके में फैलने के बाद तनाव बढ़ गया, लोगों ने पुलिस थाने के पास इकट्ठा होकर आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस पर भी लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उन्होंने मुंबई-बेंगलुरु हाई वे जाम कर दिया। इसके बाद

पुलिस अधिकारी वहां पहुंच और उन्हें उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिया। ज्यादा जानकारी देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने बताया पुणे की भोर तहसील के गांव में यह घटना हुई है। उन्होंने कहा, आरोपी ने बच्ची को कथित तौर पर खाना दिलाने का लालच दिया और उसे फुसलाकर मवेशियों के बाड़े में ले गया। यहां पर आरोपी ने उसका बलात्कार किया इसके बाद उसकी हत्या कर दी। इधर जब काफी देर बाद भी बच्ची घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने पुलिस थाने में इसकी जानकारी दी और उसकी तलाश शुरू की। एक सीसीटीवी फुटेज में वह आरोपी के साथ जाती हुई दिखाई दी।

इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मुंबई-बेंगलुरु हाईवे को जाम किए परिजनों को पुणे ग्रामीण के पुलिस अधिकारी संदीप सिंह गिल ने लोगों को भरोसा दिलाया कि इस मामले की सुनवाई जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसमें 15 दिन के भीतर आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। उसके बाद अदालत में भी त्वरित सुनवाई होगी। मीडिया से बात करते हुए गिल ने कहा, आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ 1998 और 2015 में मामले दर्ज किए गए।

किस अधिकारी से काउंटिंग कराए, यह ईसी का अधिकार

● सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, टीएमसी को लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सियासी लड़ाई लड़ रही थी। दो चरणों में वोटिंग खत्म होने के बाद अब टीएमसी की लड़ाई चुनाव आयोग से शुरू हो चुकी है। ममता की पार्टी ने वोटों की गिनती के लिए सुपरवाइजर और सहायक के तौर पर केंद्र सरकार और अन्य कर्मचारियों की तैनाती को लेकर ऐतराज जताया है। इसके लिए कानूनी लड़ाई भी लड़ रही है। कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद इस मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग के पास इस बात का विशेषाधिकार है कि मतगणना के लिए किन अधिकारियों का चयन करता है। जस्टिस बागची ने कहा, यह विकल्प खुला है कि गिनती सुपरवाइजर और गिनती सहायक केंद्र सरकार के हो सकते हैं या राज्य सरकार के। इसलिए जब यह विकल्प खुला है तो हम यह नहीं मान सकते कि यह अधिसूचना नियमों के विपरीत है।

एससी की सख्ती के बाद टीएमसी का यू टर्न

सुप्रीम कोर्ट की इन टिप्पणियों के बाद टीएमसी ने अपने रुख में यू-टर्न लेते हुए चुनाव आयोग के सर्कुलर को सख्ती से लागू करने की मांग की। इसके जवाब में आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया कि दिशानिर्देशों का ठीक से पालन किया जा रहा है। आपको बता दें कि इस याचिका पर सुनवाई के लिए जस्टिस पामिदिघंतम नरसिम्हा और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की एक विशेष पीठ का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में टीएमसी की पैरवी वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल कर रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सामने चार मुख्य आपत्तियां रखी हैं। उन्होंने दलील दी कि तैनाती के संबंध में जिला चुनाव अधिकारियों को 13 अप्रैल को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन पार्टी को इसकी जानकारी 29 अप्रैल को ही मिली।

हिंद महासागर में स्थिरता के लिए बन गया प्लान

● भारत-म्यांमार ने मिलाया हाथ, मिलकर करेंगे निगहबानी

चार दिवसीय दौरे पर नेवी चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी 2 मई से 5 मई तक म्यांमार के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इस यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख म्यांमार के शीर्ष सैन्य और रक्षा नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। इनमें म्यांमार सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, रक्षा मंत्री जनरल यू हतुन आंग और म्यांमार नौसेना के प्रमुख एडमिरल ह्तेइन विन शामिल हैं। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच चल रहे समुद्री सहयोग की समीक्षा की जाएगी।

दोनों देशों के बीच होते रहते हैं नौसेना के अभ्यास- भारत और म्यांमार की नौसेनाएं नियमित रूप से कई माध्यमों से सहयोग करती रही हैं। इनमें डिफेंस कोऑपरेशन मीटिंग, स्टाफ टॉक्स, प्रशिक्षण आदान-प्रदान और ऑपरेशनल गतिविधियां शामिल हैं। दोनों देशों के बीच इंडिया-म्यांमार नेवल एक्सरसाइज (आईएमएनईएक्स) और इंडो-म्यांमार कोऑर्डिनेटेड पेट्रोल (आईएमसीओआर) जैसे अभ्यास भी होते रहे हैं। इसके अलावा पोर्ट विजिट और हाइड्रोग्राफिक सर्वे भी सहयोग का हिस्सा हैं। म्यांमार ने कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में साथ दिया है।

8 ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस

बराक भी लोडेड

● पाकिस्तान के लिए काल है युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरी तरह से स्वदेशी और अत्याधुनिक तकनीक से लैस है युद्धपोत 'महेंद्रगिरि' को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। इससे भारतीय नौसेना की समुद्री ताकत में बड़ा इजाफा हुआ। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने इस युद्धपोत को तैयार किया है। नीलगिरि-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का यह छठा युद्धपोत है। खास बात यह है कि इसका निर्माण पूरी तरह भारत में हुआ है, जो 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूती देता है। यह युद्धपोत

आधुनिक तकनीकों से लैस है। इसे दुश्मन की नजरों से बचने यानी स्टेल्थ क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। समुद्र में यह लंबे समय तक टिक सकता है और कई तरह के मिशन संभालने में सक्षम है। जानकारी के मुताबिक, इस युद्धपोत को खास तौर पर खतरनाक बनाती हैं इसकी प्रणालियां। इसमें दूर तक मार करने वाली 8 मिसाइलें तैनात हैं।

स्टेल्थ तकनीक से लैस है आईएनएस महेन्द्रगिरि

'स्टेल्थ' तकनीक का मतलब है छिपने की कला। इससे बने युद्धपोतों को दुश्मन के रडार आसानी से पकड़ नहीं पाते। महेंद्रगिरि भी इसी तकनीक से बना है। 'फ्रिगेट' मझोले आकार के युद्धपोत होते हैं, जो तेज रफ्तार और ताकतवर हथियारों से लैस होते हैं। महेंद्रगिरि के नौसेना में शामिल होने से समुद्री सुरक्षा काफी मजबूत होगी। यह युद्धपोत समुद्र में दूर तक नजर रखने और दुश्मनों को रोकने में मदद करेगा। इसके अत्याधुनिक हथियार व सेंसर नौसेना की मारक क्षमता को बढ़ाएंगे।

भारत के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर दुश्मन की 'आंख'

● चीन ने बंगाल की खाड़ी में भेज दिया जासूसी जहाज

बीजिंग (एजेंसी)। चीन का एक जासूसी जहाज शी यान 6 हाल में ही बंगाल की खाड़ी में घुसा है। यह जासूसी जहाज इससे पहले मालदीव में ठहरा हुआ था। वहां से खाने-पीने के साजोसामान को लेने के बाद फिर से अपने मिशन पर निकला है। चीन का यह जासूसी जहाज अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह से काफी करीब ऑपरेट कर रहा है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि चीन के इस जासूसी जहाज से भारत के महत्वकांक्षी ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को खतरा पैदा हो सकता है। चीन भी अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के पास से एक नहर बनाने की योजना बना रहा है, जो दक्षिण चीन सागर को अंडमान सागर से जोड़ेगी।

बंगाल की खाड़ी पहुंचा चीनी जासूसी जहाज- ओपन सोर्स इंटेलिजेंस डेमियन साइमन ने एक्स पर लिखा, मालदीव के माले में संभवतः अपनी आपूर्ति पूरी करने के बाद, शी यान 6- जो कि भूभौतिकीय समुद्री अनुसंधान में सक्षम एक चीनी अनुसंधान पोत है – अब बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें चीनी जासूसी जहाज के समुद्री मार्ग को दर्शाया गया है। इसमें चीनी जासूसी जहाज को बंगाल की खाड़ी में भारत की मुख्य भूमि और अंडमान निकोबार द्वीप समूह के बीच से गुजरते हुए देखा जा सकता है। शी यान 6 चीन का एक आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान पोत है।

एएपी छोड़ बीजेपी जॉइन करने वाले सांसद पर एफआईआर

● गैर जमानती धाराएं लगाईं, पुलिस अरेस्ट करने दिल्ली पहुंची

मोहाली/लुधियाना (एजेंसी)। एएपी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए पंजाब से राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब में दो एफआईआर दर्ज हुई है। यह केस भ्रष्टाचार और शोषण से जुड़े हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गैर-जमानती धाराओं में केस दर्ज हुआ है। संदीप पाठक केस दर्ज होने की खबर बाहर आने से पहले दिल्ली स्थित अपने घर से साइड के दरवाजे से निकल गए। जब मीडिया उनसे बात करने पहुंची तो वह तेजी से गाड़ी में बैठकर वहां से निकल गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए पंजाब पुलिस दिल्ली स्थित उनके घर पहुंच गई है और कभी भी उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। हालांकि पंजाब पुलिस या सरकारी प्रवक्ता की तरफ से इसको लेकर अभी कोई रिएक्शन नहीं आया है। वहीं पाठक ने कहा- मेरे खिलाफ एफआईआर की मुझे कोई जानकारी नहीं है।

चुनाव खत्म होते ही नए मिशन पर बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार राज्यों में विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद अब भले ही सबको इंतजार नतीजों का है। इस बीच भारतीय जनता पार्टी नए मिशन पर जुट गई है। केंद्र की सत्ताधारी पार्टी अब राजनीतिक गतिविधियों के अगले फेज में संगठनात्मक फेरबदल पर आगे बढ़ रही है। इसके साथ ही शासन से जुड़े बदलाव भी फोकस में हैं। सबसे पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है।

ऐसी चर्चा है कि मौजूदा टीम के दो-तीन महासचिवों के भी नई टीम में बने रहने की उम्मीद है। हालांकि, नई टीम में ज्यादा फोकस युवा चेहरों पर किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन खुद करीब 45 साल के हैं। नितिन नवीन की नई टीम चुनने को लेकर हो रही देरी का पता इसी से चलता है कि पार्टी सोच-समझकर कदम उठा रही है, ताकि वह अपनी संगठनात्मक संरचना को चुनौतियों के हिसाब से ढाल सके।

बंगाल में पुनर्मतदान के बीच हिंसा, जमकर बवाल

● बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ता भिड़े, पुलिस ने भांजी लाठियां

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में दो विधानसभा सीटों के 15 बूथ पर पुनर्मतदान के बीच फाल्टा में हिंसा की खबरें हैं। जानकारी के मुताबिक यहां टीएमसी और बीजेपी के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इसके बाद लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। आपको बता दें कि फाल्टा सीट पर दोबारा वोटिंग नहीं करवाई जा रही है। दरअसल दक्षिण 24 परगान के फाल्टा में बीजेपी समर्थकों का कहना है कि उन्हें टीएमसी के लोगों से लगातार धमकियां मिल रही हैं और 4 मई को वोटों की गिनती के दौरान हिंसा की आशंका है। इसी को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान टीएमसी के कार्यकर्ता भी निकल गए और इस प्रदर्शन का विरोध करने लगे। इसपर बीजेपी और टीएमसी के कार्यकर्ताओं में हाथापाई हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक पहले से ही स्थिति को तनावपूर्ण देखते हुए इस इलाके में सीआरपीएफ और आरएएफ की तैनाती की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रदर्शन में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल थीं। एक स्थानीय महिला ने कहा कि टीएमसी के इसराफिल चौधरी ने धमकी दी कि अगर वे जीत जाएंगे तो उनके घर जला देंगे और खूनी खेल होगा। महिला ने कहा कि उन्होंने टीएमसी को वोट दिया है और इसके बाद भी उन्हें धमकाया जा रहा है। बता दें कि आज यानी शनिवार को मगराहाट पश्चिम और डायमंड हार्बर के 15 बूथों पर दोबारा मतदान हुआ है।

पर्यवेक्षकों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर मतदान

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि पुनर्मतदान का आदेश दोनों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर दिया गया। मगराहाट पश्चिम सीट पर तृणमूल कांग्रेस के मोहम्मद समीम अहमद मोल्ला का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी गौर सुंदर घोष से है, जबकि कांग्रेस के अब्दुल मजीद हलदर और इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के अब्दुल अजीज अल हसन भी मैदान में हैं। डायमंड हार्बर सीट पर तृणमूल के पन्ना लाल हलदर, भाजपा के दीपक कुमार हलदर को चुनौती दे रहे हैं। कांग्रेस के गौतम भट्टाचार्य और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के समर नाइया समेत कई अन्य प्रत्याशी भी इस सीट पर किस्मत आजमा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र की इन दोनों विधानसभा सीट के कुछ मतदान केंद्रों पर बड़े पैमाने पर चुनावी धांधली हुई थी। डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी करते हैं। निर्वाचन आयोग ने आरोपों की जमीनी स्तर पर जांच के लिए अपने विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता को नियुक्त किया था।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में जंदाहा थानाध्यक्ष सस्पेंड, मनोज कुमार पर शराब माफियाओं से मिलीभगत के आरोप लगे

हाजीपुर। वैशाली जिले में पुलिस प्रशासन ने भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जंदाहा थाना के थानाध्यक्ष मनोज कुमार को शराब माफियाओं को संरक्षण देने के गंभीर आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई वैशाली पुलिस द्वारा की गई है, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मनोज कुमार पर लंबे समय से शराब कारोबारियों के साथ मिलीभगत के आरोप लग रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विभागीय जांच बिठाई गई थी। इस जांच में प्रथम दृष्टया थानाध्यक्ष की शराब माफियाओं के साथ सांठगांठ और उन्हें संरक्षण देने की पुष्टि हुई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर, जिला पुलिस प्रशासन ने उन्हें सेवा से निलंबित करने का कड़ा निर्णय लिया है।

सांसद के करीबी से 1 लाख की फिरौती, व्हाट्सएप पर धमकी, कहा- पैसे दिए तो 10 साल तक सुरक्षित रहोगे

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के करीबी और हाजीपुर के आदर्श इमरजेंसी हॉस्पिटल के निदेशक मनीष कुमार उर्फ पिंटू यादव से एक लाख रुपये की फिरौती मांगी गई है। अपराधियों ने व्हाट्सएप मैसेज के जरिए यह धमकी दी है कि अगर रकम नहीं दी गई तो गोली मार दी जाएगी। अपराधियों ने कोड वर्ड में "1L दो" लिखकर फिरौती की मांग की। मैसेज में यह भी कहा गया है कि अगर रकम दे दी गई तो अगले दस साल तक कोई परेशानी नहीं होगी। समय पर भुगतान न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई है। पिंटू यादव ने बताया कि उन्हें यह धमकी भरा मैसेज रात को सोने जाने से पहले मोबाइल पर मिला। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी और अधिकारियों से न्याय की मांग की है। इस घटना के बाद क्षेत्र के व्यापारिक समुदाय में चिंता का माहौल है। पीड़ित ने स्थानीय थाने और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मामले की जानकारी दी है। पुलिस अब मैसेज भेजने वाले नंबर को ट्रैक करने और अपराधियों की पहचान करने में जुट गई है। पुलिस ने पिंटू यादव की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम का आश्वासन भी दिया है। मनीष कुमार उर्फ पिंटू यादव को पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का करीबी नेता माना जाता है। वह पूर्व में उनकी पार्टी के जिलाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

बालू अनलोड करते हाइवा पलटा, बाइक सवार की मौत लोगों ने हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग को जाम किया

हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर में एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग पर सुल्तानपुर के पास हुई, जहां बालू से लदा एक हाइवा अनलोडिंग के दौरान पलट गया। मृतक की पहचान गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी वीरचंद चौधरी (पिता स्व. रविंद चौधरी) के रूप में हुई है। वीरचंद चौधरी बाइक से काम पर जा रहे थे। तभी सड़क किनारे बालू अनलोड कर रहा एक हाइवा अनियंत्रित होकर पलट गया। हाइवा की चपेट में आने से वीरचंद चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक वीरचंद चौधरी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस हादसे के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने हाजीपुर-जंदाहा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। सूचना मिलते ही गंगा ब्रिज थाने और हाजीपुर औद्योगिक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मी आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत करने का प्रयास कर रहे हैं। औद्योगिक थाने की पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। दुर्घटनाग्रस्त हाइवा अभी भी सड़क पर पड़ा हुआ है।

एस्कॉर्ट गाड़ी से टकराई महिला आयोग की अध्यक्ष की कार, बाइक सवार को बचाने में हादसा

हाजीपुर। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर नेशनल हाई-वे पर शुक्रवार को बिहार राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष अप्सरा मिश्रा का एक्सीडेंट हो गया। उन्हें कंधे में चोट आई है। बॉडी गार्ड भी घायल है। अप्सरा मिश्रा ने बताया, हम केस की सुनवाई कर के लौट रहे थे। सड़क पर एक युवक पड़ा था। उसे बचाने के चक्कर में एस्कॉर्ट की गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। ठीक पीछे चल रही मेरी गाड़ी एस्कॉर्ट गाड़ी में टकरा गई। जिस जगह ये हादसा हुआ वहां एक युवक का शव भी मिला है। मृतक की पहचान मेरठ के त्रिलोकी मौर्य के बेटे सुरेश मौर्य के रूप में हुई है। सुरेश हाजीपुर के दिग्गी पचकुरवा में किराए के मकान में रहता था और रामाशीष चौक स्थित एक गैरेज में मैकेनिक का काम करता था। हादसा महुआ मोड़ के पास हुआ। हादसा कैसे हुआ पुलिस इसकी जांच कर रही है। हादसे के वक्त गाड़ी में अप्सरा मिश्रा के साथ उनके पति डॉ. रणधीर भी मौजूद थे। उन्होंने भास्कर को बताया, एक केस की सुनवाई के लिए वो बेगूसराय गई थीं। वहां से पीड़िता के पति को लेकर मुजफ्फरपुर पीड़िता के मायके गई थीं। मामला सुलझाकर वापस पटना लौट रही थीं। तभी शाम को करीब 7:30 बजे हाजीपुर में उनका एक्सीडेंट हो गया। उनकी एस्कॉर्ट के आगे एक बाइक सवार काफी स्पीड में था। डिवाइडर से टकराकर उसका एक्सीडेंट हो गया। पीछे उनकी गाड़ी थी। सभी गाड़ियां काफी स्पीड में होने के कारण उनकी गाड़ी अपनी ही एस्कॉर्ट की गाड़ी से टकरा गई। उन्हें कंधे और बाजू में हल्की छोटें आई हैं। तब गाड़ी में 4 लोग सवार थे। उनके गार्ड को छाती में चोट आई है। स्थानीय लोगों ने बताया, टक्कर मारने के बावजूद, न तो एस्कॉर्ट गाड़ी रुकी और न ही काफिले का कोई अन्य वाहन। सभी गाड़ियां तेज रफ्तार से पटना की ओर निकल गईं। घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सुरेश मौर्य को मृत घोषित कर दिया।

प्रेम-प्रसंग में विधवा की गला रेतकर हत्या, वैशाली में 4 साल पहले पति की मौत, पड़ोसी से चल रहा था अफेयर

हाजीपुर। हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते विधवा महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की रात आरोपी ने महिला को अपने साथ चलने को कहा। लेकिन जब उसके साथ जाने से मना किया तो वो नाराज हो गया। वो जबरदस्ती उसे घर से बाहर ले गया और करीब 500 मीटर दूर चाकू से महिला के गला और पेट पर वार कर फरार हो गया। परिजन ने घायल महिला को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना मगरहट्टा पोखर के पास देर शाम हुई। मृतका की पहचान हेला बाजार निवासी स्वर्गीय सकलदीप पासवान की पत्नी हेमंती देवी(32) के रूप में हुई है। उसके पति की चार साल पहले मौत हो गई थी। मृतका के चार बच्चे हैं, 2 बेटा और 2 बेटी। पति के मौत के बाद महिला आसपास के घरों में बर्तन धोकर अपना परिवार को चलाती थी। दरअसल, पति के मौत के बाद हेमंती का इंदल पासवान से संपर्क हुआ। कुछ दिन बाद ही पूरे गांव में दोनों के प्रेम-प्रसंग की बात फैल गई। हालांकि गांव के लोग इस संबंध का विरोध करते थे। उनका कहना था कि सारे बच्चे अब बड़े हो गए है। तुम यह सब छोड़ दो, बच्चो पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। लेकिन महिला ने गांव समाज की बात को नकार दिया था। इस संबंध में मृतका के पड़ोसी रामबाबू पासवान ने बताया कि इंदल पासवान ने महिला के पेट और गले पर चाकू से वार कर हत्या की है। इंदल को मना करते थे, उसके बावजूद वो लोग नहीं माने। प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर इंदल पासवान कई बार मारपीट भी किया था। हेमंती की बेटी बड़ी हो गई थी। वो जब भी मां को मना करती थी, तो वो नहीं बात करने की बात कहकर उसे डांट देती थी। रामबाबू पासवान ने बताया कि देर शाम इंदल पासवान हेमंती को घर से बुलाने आया था। महिला नहीं जा रही थी फिर भी वो महिला को घर से जबरन बुलाकर ले गया। इसके बाद चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग, एसडीपीओ सदर-1 सुबोध कुमार और नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाना शुरू किया। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि इस वारदात को अंजाम देने वाले अभियुक्त की पहचान उसी मोहल्ले के इंदल पासवान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतका और अभियुक्त को घटना से पहले अक्सर साथ आते-जाते देखा गया था। प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस आरोपी इंदल पासवान की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने यह भी जानकारी दी कि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है, हालांकि घटना के बाद इलाके में कुछ तनाव का माहौल है।

भतीजी से छेड़छाड़ का विरोध करने पर चाचा का मर्डर

पटना में घर में घुसकर हत्या, पत्नी गंभीर, बोली- पति के सीने पर बैठकर गला काटा

एजेंसी, पटना

पटना में शनिवार सुबह 7 बजे घर में घुसकर अपराधियों ने पति-पत्नी पर चाकू से हमला किया है। इसमें पति की मौत हो गई है। पत्नी नाजिया परवीन की हालत गंभीर है। उसे इलाज के लिए PMCH में भर्ती कराया गया है। पत्नी ने बताया, हम घर में सोए थे। आंख खुली तो एक लड़का चाकू लेकर पति के सीने पर बैठा था। उसने उनका गला काट दिया। मैं बचाने गई तो मेरे ऊपर पर भी हमला कर दिया। बड़े भाई ने बताया, सत्यम नाम का लड़का बेटी को स्कूल आते-जाते परेशान करता था। कल उसने घर पर पत्थर फेंका था। हमने उसे पकड़कर समझाया था। इसके बाद उसने हत्या कर दी। मामला अशोक राजपथ स्थित लालबाग इलाके का है। मृतक की पहचान 30 साल के मोहम्मद नवाज आलम के तौर पर हुई है। नवाज लालबाग स्थित सरफराज आलम के मकान में किराए से रह रहा था। ये हमला बिल्डिंग के तीसरे फ्लोर पर किया गया है। मोहम्मद नवाज आलम पटना के एक मॉल में सेल्समैन था।

पत्नी बोली- पति के सीने पर बैठकर गला काट दिया: घायल नाजिया ने बताया, 'मैं और मेरे पति घर में सोए थे। सुबह के करीब

7 बजे होंगे। एक युवक चाकू लेकर हमारे कमरे में घुस आया। उसने दरवाजा कैसे खोला ये मुझे नहीं पता। उसने आते ही मेरे पति की छाती पर बैठकर उनका गला काट दिया। मैं अपनी 2 साल की बच्ची को साइड करके उस युवक को पकड़ने लगी। खून से लथपथ होने के चलते वो फिसल कर भाग रहा था। भागने के दौरान उसने मुझे भी गर्दन और हाथ पर चाकू मार दिया। मैं पूरी कोशिश के साथ उसको पकड़ने में लगी थी। तकरीबन 5 मिनट तक शोर मचाकर संघर्ष करती रही, लेकिन इसी बीच वो हाथ छुड़ाकर फरार हो गया। तब तक बिल्डिंग के सभी लोग शोर सुनने के बाद आने लगे। युवक की उम्र महज 16 से 18 साल के बीच होगी।'

भाई बोला- बेटी को स्कूल आते-जाते परेशान करता था लड़का: भाई नौखेज आलम ने बताया, 'मेरी बेटी स्कूल में पढ़ती थी। एक लड़का उसे परेशान करता था। वो मुझे डर के मारे इसके बारे में नहीं बताती थी। उसके दोस्तों ने बताया कि एक लड़का उसे टॉर्चर कर रहा था। 1-2 बार उसने घर पर भी पत्थर फेंका था। कल शाम को भी पत्थर फेंका था। मैं देखने गया तो वो भाग गया। मैंने उसे पीछा किया। पकड़कर मैंने पूछा कि तुम्हारा नाम क्या है। उसने कहा- सत्यम। मैंने पूछा पत्थर क्यों मारा। वो मुझे धक्का देकर वहां से भाग गया। उसी ने आज भाई के परिवार पर हमला किया है।'

आसपास के लोगों ने बताया, घटना सुबह 7 बजे के आसपास की है। नवाज के घर से चिल्लाने की आवाज सुनकर हम मौके पर पहुंचे। दरवाजे पर खून पसरा देखा। दरवाजा खुला था। अंदर नवाज की लाश पड़ी थी। नवाज की पत्नी नाजिया परवीन भी खून से लथपथ थी। इसके बाद हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जो घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

मोतिहारी में केस समीक्षा को लेकर एसपी का औचक निरीक्षण, एक आईओ निलंबित

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शनिवार को नगर थाना और छतौनी थाना का औचक निरीक्षण कर लंबित कांडों एवं अनुसंधान कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने केस डायरी, लंबित मामलों की स्थिति और अनुसंधान की प्रगति की विस्तार से जांच की। केस रिव्यू के दौरान अनुसंधान में लापरवाही सामने आने पर एसपी ने कड़ा रुख अपनाया। नगर थाना के दो अनुसंधानकर्ताओं (आईओ) का वेतन धारित कर दिया गया, जबकि एक आईओ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्पष्ट कहा कि अनुसंधान कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने के लिए गुणवत्तापूर्ण और निष्पक्ष अनुसंधान बेहद जरूरी है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी, वारंटों के निष्पादन और केस डायरी को नियमित रूप से अपडेट रखने का निर्देश दिया। साथ ही सभी पुलिस पदाधिकारियों को अनुसंधान में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। एसपी ने थानाध्यक्षों को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

'कमर्शियल सिलेंडर का दाम बढ़ाना जजिया टैक्स से भी क्रूर'

एजेंसी, पटना

कांग्रेस ने मोदी सरकार के कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के फैसले को जजिया टैक्स से भी ज्यादा क्रूर बताया है। कल ही कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी, जिसके बाद से कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। बिहार कांग्रेस प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पकौड़ा तलो योजना के पैरोकार हैं। वह पकौड़ा कमर्शियल सिलेंडर पर ही तला जाता है। उन्होंने कमर्शियल सिलेंडर का दाम सीधे 1000 रुपए तक बढ़ा दिया।'

असित नाथ तिवारी ने कहा कि, 'मामूली ठेले पर भी चाय पीने जाएंगे तो अब 20 रुपए की चाय मिलेगी। छोटा सिलेंडर, जिसमें 5kg गैस आता हैं, उसकी कीमत अब पौने 300 रुपए तक बढ़ा गई है। मोदी

कांग्रेस बोली- मोदी जी पकौड़ा तलो बोलते हैं, फिर सिलेंडर के दाम भी बढ़ाते हैं

जी काफी जुल्म किया है। देश इसका जवाब देगा।' कॉमर्शियल सिलेंडर 1 मई से 994 रुपए तक महंगा हो गया है। 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर की कीमतों में 261 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब 'छोटू' सिलेंडर की रिफिल कीमत 813.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं।

बड़े अस्पतालों में रियल-टाइम बेड सिस्टम नहीं, मरीजों को 'गोल्डन आवर' में नहीं मिलता इलाज

एजेंसी, पटना

बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को हाईटेक बनाने के दावों के बावजूद राजधानी के प्रमुख सरकारी अस्पताल PMCH, IGIMS और एम्स पटना में अब तक रियल-टाइम बेड ट्रैकिंग सिस्टम उपलब्ध नहीं है। इस बुनियादी सुविधा के नहीं होने का सीधा असर गंभीर मरीजों के इलाज पर पड़ रहा है, जहां हर मिनट की देरी जानलेवा साबित हो सकती है। राजधानी के अस्पतालों में हर दिन हजारों मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। बेड की उपलब्धता की सटीक जानकारी नहीं होने पर मरीज और उनके परिजनों को काफी परेशानी होती है। उन्हें एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकना पड़ता है, जिससे इलाज में काफी देरी होती है।

मरीजों को लगाने पड़ते कई अस्पतालों के चक्कर: खासकर आईसीयू और वेंटिलेटर की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए यह स्थिति ज्यादा गंभीर है। कई बार मरीजों को दो से तीन अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, जिससे

उनकी हालत लगातार बिगड़ती जाती है और नाजुक समय में उनकी जान पर बन आती है। चिकित्सा आपातकाल में 'गोल्डन आवर' यानी शुरुआती एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस अवधि में सही इलाज मिलने पर मरीज की जान बचाई जा सकती है। हालांकि, रियल-टाइम बेड जानकारी के अभाव में यह कीमती समय अस्पताल खोजने में ही निकल जाता है।

स्वास्थ्य विभाग के दावों की जमीनी हकीकत उजागर: स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है

बेटा बोला- 3 दिन से स्ट्रेचर पर पापा

कि यदि मरीजों को समय पर सही अस्पताल और बेड मिल जाए तो कई गंभीर मामलों में होने वाली मौतों को टाला जा सकता है। वर्तमान व्यवस्था में यह संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे स्वास्थ्य दावों की जमीनी हकीकत उजागर होती है।

रेफरल और एम्बुलेंस सिस्टम भी बेअसर: बेड की सटीक जानकारी न होने से रेफरल सिस्टम भी लगभग फेल हो चुका है। छोटे अस्पतालों से मरीजों को बड़े अस्पतालों में रेफर तो कर दिया जाता है, लेकिन वहां बेड उपलब्ध है या नहीं, इसकी कोई नहीं देता। एम्बुलेंस कर्मियों को भी यह जानकारी नहीं होती कि किस अस्पताल में ICU या वेंटिलेटर उपलब्ध है। ऐसे में वे मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने को मजबूर होते हैं। ऐसे में समय और संसाधन, दोनों की बर्बादी होती है।

पुलिस ने 8 अंतरराज्यीय तस्करों को पकड़ा, नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

एजेंसी, पटना

पटना के नदी थाना पुलिस ने नशीली दवाओं के काले कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 8 अंतरजिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया गया है।

गश्ती के दौरान कच्ची दरगाह में पकड़े गए संदिग्ध: शुक्रवार को थानाध्यक्ष सद्दाम हुसैन के नेतृत्व में पुलिस टीम वाहन जांच और फरार अपराधियों की तलाश में गश्त कर रही थी। इसी दौरान कच्ची दरगाह के पास पीपा पुल की ओर से आ रहे 6 पुरुष और 2 महिलाएं संदिग्ध अवस्था में दिखे। पुलिस को देखते ही सभी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया।

बैग से निकली 675 बोतल नशीली दवा: तलाशी के दौरान आरोपियों के बैग और थैलों से 675 बोतल (67.5 लीटर) 'कोडीन फॉस्फेट' युक्त कफ सिरप और 3 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए। जब्त सिरप की कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई जा रही है।

वैशाली के रहने वाले आरोपी: गिरफ्तार आरोपियों में 6 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। इनकी पहचान वैशाली जिले के विभिन्न इलाकों के रहने वाले प्रमेंट राय, रंजीत कुमार, संजीव कुमार, लाला राय, विरध राय, नितिश राय, रिंकु देवी और हाजीपुर की सुमन कुमारी के

रूप में हुई है।

NDPS एक्ट के तहत केस दर्ज: फतुहा एसडीपीओ-1 अवधेश कुमार ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस मामले में कांड संख्या 167/2026 दर्ज किया गया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

तस्करी नेटवर्क की जांच तेज: पुलिस अब इस गिरोह के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। आशंका है कि यह नशीली दवाओं की सप्लाई बड़े स्तर पर करता था। इस कार्रवाई में एसआई देवकर्ण बंटी, विवेक कुमार, एएसआई संतोष कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

पीएमसीएच के डॉक्टर 600 परिवारों को लेंगे गोद, 3 साल तक देंगे फ्री इलाज

एजेंसी, पटना

केंद्र सरकार के पायलट प्रोजेक्ट 'फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम' का शनिवार को फुलवारी शरीफ के इस्माइलपुर ढ़िबरा पंचायत में शुभारंभ किया गया। इस योजना के तहत पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सीनियर और जूनियर डॉक्टर ग्रामीण परिवारों को गोद लेकर उन्हें नियमित चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री श्याम रजक ने किया। इस मौके पर उन्होंने इसे समाज के कमजोर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

100 MBBS छात्रों की टीम करेगी सर्वे: PMCH की डॉक्टर निशिता ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना है। इसके लिए करीब 100 MBBS छात्रों की टीम बनाई गई है, जो गांव-गांव जाकर घर-घर सर्वे करेगी। सर्वे के दौरान परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी बीमारियों और आवश्यक इलाज का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इस योजना के तहत MBBS छात्र करीब 600 परिवारों को गोद लेंगे और तीन वर्षों तक उनकी स्वास्थ्य निगरानी करेंगे। प्रत्येक छात्र 3 से 5 परिवारों की जिम्मेदारी संभालेगा। कार्यक्रम के दौरान परिवार के सदस्यों की नियमित जांच,

फुलवारी में 'फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम' शुरू

बीमारी की पहचान और आवश्यक उपचार के साथ उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। इसके अलावा समय-समय पर मुफ्त स्वास्थ्य शिविर लगाकर जांच और परामर्श की सुविधा दी जाएगी। विधायक श्याम रजक ने कहा कि, उनका लक्ष्य 'स्वस्थ फुलवारी, स्वच्छ फुलवारी, शिक्षित फुलवारी' बनाना है। उन्होंने कहा, 'स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। जब मेडिकल छात्र सीधे परिवारों से जुड़ेंगे, तो बीमारियों की समय पर पहचान होगी और जागरूकता बढ़ेगी।' उन्होंने कहा कि, यह पहल 'सबका स्वास्थ्य, सबका विकास' की सोच को जमीन पर उतारने का सशक्त माध्यम साबित होगी।

भागलपुर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण का पार्थिव शरीर सदाकत आश्रम पहुंचा

एजेंसी, पटना

भागलपपुर के कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा का पार्थिव शरीब शनिवार को पटना के सदाकत आश्रम लाया गया है। अमर रहे के नारे कांग्रेसी लगाते रहे। पार्थिव शरीर को पार्टी के झंडे से लपेटा गया है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम रोने लगे। कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। भागलपुर में शुक्रवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह कुशवाहा की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

वे दिल्ली से पटना कार से लौट रहे थे। इसी दौरान यूपी के कन्नौज में ड्राइवर को झपकी आने उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। कांग्रेस नेता प्रवीण सिंह कुशवाहा की सड़क हादसे में मौत पर लोकसभा में विपक्ष के नेता

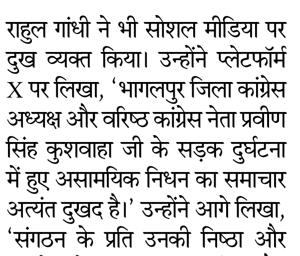

राहुल गांधी ने भी सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'भागलपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रवीण सिंह कुशवाहा जी के सड़क दुर्घटना में हुए असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुखद है।' उन्होंने आगे लिखा, 'संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। शोक संतप्त परिजनों, मित्रों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा हूं।'

'अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव नहीं होगा'

एजेंसी, पटना

पटना के JDU ऑफिस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यक समाज को एकजुट रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि, 'वर्तमान सरकार सबको साथ लेकर चलने के सिद्धांत पर काम कर रही है। किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं होगा।' डिप्टी सीएम ने स्पष्ट किया कि मौजूदा सरकार, जो मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में काम कर रही है, उसका रास्ता पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा तय किया गया है। उन्होंने कहा कि, 'सरकार उसी नीति और सिद्धांतों का पालन कर रही है, जो पहले से स्थापित हैं।'

3C नीति पर कोई समझौता नहीं- विजय चौधरी: डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने बताया कि, 'मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने साफ कर दिया है कि 3C (क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म) पर कोई समझौता नहीं होगा।

साथ ही उन्होंने कहा कि, 'सांप्रदायिक सौहार्द को लेकर नीतीश कुमार की जो नीति रही है, वही आगे भी जारी रहेगी।

विपक्ष पर माहौल बनाने का आरोप: विजय चौधरी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि, 'पहले की सरकारों में केवल माहौल बनाया जाता था, खासकर अल्पसंख्यक समाज को लेकर।' उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि, 'एनडीए सरकार से पहले अल्पसंख्यकों के लिए ठोस काम नहीं हुए।'

CAA और वक्फ कानून पर बोले डिप्टी सीएम: डिप्टी सीएम ने नागरिकता संशोधन कानून (CAA) और वक्फ संशोधन कानून का जिक्र करते हुए कहा कि, 'इन मुद्दों पर देशभर में बेवजह हंगामा किया गया। आठ साल में किसी भी अल्पसंख्यक की नागरिकता नहीं छीनी गई है। इन मुद्दों पर लोगों को भ्रमित किया गया।'

मतदाता सूची और SIR पर दी सफाई: डिप्टी सीएम ने कहा कि, 'SIR को लेकर भी यह भ्रम फैलाया गया कि अल्पसंख्यकों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह अल्पसंख्यक समाज को गुमराह कर रहा है।'

मुख्यमंत्री के जनता दरबार में टोपी नहीं पहनने के सवाल पर विजय चौधरी ने हल्के अंदाज में कहा कि 'अगर टोपी से सरकार का प्रदर्शन मापा जाता है तो हमें 2-4 टोपी पहना दीजिए।' उन्होंने कहा कि, 'सरकार का काम, उसके प्रदर्शन से आंका जाना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

मुंशी सिंह महाविद्यालय में स्नातक पंचम सेमेस्टर की परीक्षा का छठा दिन शांतिपूर्ण संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के तत्वावधान में स्नातक (सीबीसीएस) पंचम सेमेस्टर, सत्र 2023–27 की परीक्षा 24 अप्रैल 2026 से संचालित है। इस क्रम में मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी को विभिन्न महाविद्यालयों के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है, जिनमें एस.आर.ए.पी कॉलेज, चकिया, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज, के.एस.आर.एन. डिग्री कॉलेज, मठिया तथा एस.एन.एस.आर.एन.एस. डिग्री कॉलेज, केसरिया शामिल हैं। शनिवार, 2 मई 2026 को परीक्षा के छठे दिन प्रथम पाली में माइनर ग्रुप-जी के अंतर्गत इतिहास और मानव संसाधन प्रबंधन विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 1150 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में माइनर ग्रुप-एच के अंतर्गत बॉटनी, जूलॉजी, मनोविज्ञान, हिंदी, गृह विज्ञान, मार्केटिंग, उर्दू, संस्कृत एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 766 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। पूरी परीक्षा कदाचार मुक्त, अनुशासित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा की शुचिता एवं व्यवस्था बनाए रखने हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। इस संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने जानकारी दी।

मोतिहारी में देर रात बड़ी चोरी, 23 लाख रुपये के जेवरात लेकर फरार हुए चोर

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के पकड़ीदयाल नगर पंचायत क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोर एक घर से करीब 23 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मामला पकड़ीदयाल नगर पंचायत के वार्ड संख्या 5 का है। जानकारी के अनुसार, रवी कुमार शाह के घर को चोरों ने निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि 29 मई की रात चोर घर में घुस गए और करीब 8 लाख रुपये नकद तथा लगभग 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। परिजनों के अनुसार, चोरों ने घर में रखे लैपटॉप, मोबाइल और अन्य कीमती सामान को हाथ नहीं लगाया, बल्कि केवल नकदी और जेवरात लेकर भाग निकले। घटना की जानकारी तब हुई जब घर के लोगों की नींद खुली और उन्होंने सामान बिखरा देखा। इसके बाद शोर मचाया गया, लेकिन तब तक चोर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा अन्य सुरागों के आधार पर चोरों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, थानाध्यक्षों को दिए सख्त निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी। आगामी 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के तत्वावधान में जिले के सभी थानाध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पुनीत कुमार तिवारी तथा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान अधिक से अधिक वादों के निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में विशेष रूप से नोटिसों की तामिला (सर्विस) पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी संबंधित पक्षकारों तक समय पर नोटिस पहुंचाना सुनिश्चित करें, ताकि अधिकाधिक मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटारा किया जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि लोक अदालत की सफलता काफी हद तक नोटिस तामिला की प्रभावशीलता पर निर्भर करती है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में अनुपस्थित थानाध्यक्षों पर कड़ा रुख अपनाते हुए उनके विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही भविष्य में ऐसी महत्वपूर्ण बैठकों में सभी संबंधित अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया। अंत में, सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में लंबित वादों की पहचान कर अधिकाधिक मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में भेजने की प्रक्रिया सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को त्वरित और सुलभ न्याय मिल सके।

मोतिहारी में डायल-112 सेवा रही सक्रिय, अप्रैल में 8800 कॉल पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले में आपातकालीन सेवाओं को लेकर डायल-112 लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। मोतिहारी पुलिस द्वारा जारी अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के अनुसार माह भर में कुल 8800 कॉल प्राप्त हुए, जिन पर औसतन 4 मिनट 14 सेकेंड में पुलिस ने रिस्पॉन्स दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा 4732 कॉल सामान्य विधि-व्यवस्था से संबंधित रहे। घरेलू हिंसा के 754 मामले डायल-112 पर दर्ज किए गए, जबकि भूमि एवं संपत्ति विवाद से जुड़े 621 कॉल प्राप्त हुए। सड़क दुर्घटना के 201 मामलों में भी पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इसके अलावा अग्निकांड से संबंधित 159 कॉल आए, जबकि अन्य श्रेणी में 2333 कॉल दर्ज किए गए। मोतिहारी पुलिस ने बताया कि डायल-112 सेवा आम नागरिकों की सुरक्षा एवं आपातकालीन सहायता के लिए 24 घंटे कार्यरत है। पुलिस ने लोगों से किसी भी संकट या आपात स्थिति में तत्काल डायल-112 पर संपर्क करने की अपील की है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अपर सचिव ने पूर्वी चंपारण का किया दौरा, योजनाओं एवं संस्थानों का लिया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार नीतीश्वर कुमार ने शुक्रवार को पूर्वी चंपारण जिले का दौरा कर महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी क्रेच-सह-पालना घर, निर्माणाधीन 'वन स्टॉप सेंटर' तथा पर्यवेक्षण गृह की व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन किया। निरीक्षण के क्रम में अपर सचिव ने आंगनबाड़ी क्रेच-सह-पालना घर का अवलोकन करते हुए इसे कामकाजी महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी और दूरदर्शी पहल बताया। उन्होंने कहा कि विशेषकर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं के लिए यह केंद्र मजबूत सहारा बन रहे हैं। इन केंद्रों में बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और स्नेहपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है, जहां उनके पोषण, खेल आधारित शिक्षा एवं प्रारंभिक देखभाल पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे कामकाजी माताओं को मानसिक संतोष और कार्य में एकाग्रता मिलती है। इसके बाद उन्होंने निर्माणाधीन 'वन स्टॉप सेंटर' भवन का निरीक्षण किया और संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर शेष कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए तथा गुणवत्ता के मानकों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाए। अपर सचिव ने कहा कि केंद्र के शुरू होने के बाद पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सहायता, चिकित्सीय सुविधा और मनो-सामाजिक परामर्श जैसी सेवाएं उपलब्ध होंगी, इसलिए इसमें देरी स्वीकार्य नहीं होगी। पर्यवेक्षण गृह के निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां उपलब्ध सुविधाओं, प्रबंधन व्यवस्था तथा बच्चों के कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का जायजा लिया। उन्होंने आवासीय व्यवस्था, स्वच्छता, रसोईघर, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों एवं कर्मियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। दौरे के दौरान बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें गीत एवं हारमोनियम वादन शामिल था। अपर सचिव ने बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि पर्यवेक्षण गृह में बच्चों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और बाल-मित्र वातावरण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास एवं पुनर्वास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने पर उन्होंने विशेष बल दिया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम के वरीय परामर्शी सुमित सौरभ, जिला प्रशासन की वरीय उप समाहर्ता निधि कुमारी, सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई अक्षय कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक, जिला मिशन समन्वयक सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। अपर सचिव ने सभी योजनाओं की सतत एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए।

मधुबन-शिकारगंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, चोरी की बाइक के साथ दो चोर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले में अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मधुबन एवं शिकारगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से करीब 1.9 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिकारगंज थाना क्षेत्र के पसेई गांव निवासी सहदेव राम के पुत्र गोलू कुमार उर्फ गौरीशंकर कुमार तथा शिकारगंज गांव निवासी कामेश्वर दास के पुत्र राहुल कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पूछताछ और निशानदेही के आधार पर गोलू कुमार के घर पर छापेमारी की गई, जहां से करीब 1.9 किलोग्राम प्रतिबंधित गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बाइक चोरी के साथ-साथ नेपाल से गांजा लाकर भारतीय क्षेत्र में उसकी तस्करी भी करते थे। जानकारी के मुताबिक 27 अप्रैल को दोनों आरोपियों ने मधुबन बाजार से एक ग्लैमर बाइक चोरी की थी। घटना के बाद मधुबन पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की और शिकारगंज थाना पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद दोनों थानों की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार चोरों ने यह भी स्वीकार किया कि चोरी की गई बाइक को ढाका के एक व्यक्ति को बेच दिया गया था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता की भी आशंका जता रही है। शिकारगंज थानाध्यक्ष गोपाल कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण की शुरुआत, डीएम आवास का मकान सूचीकरण कार्य सम्पन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के तहत पूर्वी चम्पारण के जिलाधिकारी -सह- प्रधान जनगणना पदाधिकारी सौरभ जोरवाल के सरकारी आवास का मकान सूचीकरण कार्य शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। नगर निगम, मोतिहारी अंतर्गत मकान सूचीकरण ब्लॉक-228 में यह कार्य प्रगणक सोनी कुमारी एवं पर्यवेक्षक नरेंद्र कुमार द्वारा किया गया। इस दौरान जिला नोडल पदाधिकारी -सह- जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव एवं राज्य नोडल अधिकारी आदित्य कुमार भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने स्वगणना आईडी उपलब्ध कराई, जिसे सफलतापूर्वक पोर्टल पर सबमिट किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिलेवासियों से अपील की कि जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों को पूरा सहयोग दें तथा पूछे गए प्रश्नों का सही-सही उत्तर दें। उन्होंने कहा कि इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भविष्य की योजनाएं तैयार की जाती हैं, जिससे आम लोगों को लाभ मिलता है और जिले का समुचित विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी के सहयोग से जनगणना-2027 का कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाएगा। जिला जनगणना पदाधिकारी -सह- अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा ने जानकारी दी कि जिले में कुल 37 चार्ज के अंतर्गत 9,585 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें 9,478 प्रगणक एवं 1,627 पर्यवेक्षक प्रतिनियुक्त किए गए हैं, जो अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मकानों की गणना करेंगे। उन्होंने बताया कि जनगणना के दौरान मकानों एवं परिवारों की पहचान करते हुए परिवारों को उपलब्ध सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से जुड़े 34 प्रकार के प्रश्नों की जानकारी एकत्र कर ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया पेपरलेस होगी, जो इस जनगणना की प्रमुख विशेषता है। इस अवसर पर प्रबंधन कोषांग से गोपाल मिश्र, अमरेश कुमार एवं कमलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे।

मोतिहारी में ऑटो व ई-रिक्शा चालकों का उग्र प्रदर्शन, डीएम को सौंपा 22 सूत्रीय मांग पत्र

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर शनिवार को शहर में ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। मोतिहारी जिला ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक संघ के बैनर तले आयोजित एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में चालक समाहरणालय परिसर पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना कार्यक्रम के दौरान संघ के पदाधिकारियों एवं वक्ताओं ने मंच से चालकों की समस्याओं को उठाते हुए 22 सूत्रीय मांगों को विस्तार से रखा। वक्ताओं ने कहा कि पूर्व में भी कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया, लेकिन अब तक किसी मांग पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे चालकों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को 22 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। संघ के जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने हस्ताक्षरित ज्ञापन प्रशासन को सौंपते हुए जल्द समाधान की मांग की। मांग पत्र में नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए टैक्स को वापस लेने अथवा "सुविधा नहीं तो टैक्स नहीं" नीति लागू करने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर ऑटो एवं ई-रिक्शा स्टैंड की समुचित व्यवस्था करने, स्टैंडों पर रैन बसेरा, शौचालय और शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। चालकों ने डीटीओ कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने और लाइसेंस निर्गत करने के लिए विशेष कैंप आयोजित करने की भी मांग उठाई। रेलवे स्टेशन परिसर में कथित अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाने, लाइसेंसधारी चालकों को राशन कार्ड समेत सरकारी योजनाओं का लाभ देने तथा सड़क पर चलती गाड़ियों से पार्किंग शुल्क वसूली बंद कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। संघ ने बलुआ चौक, कचहरी चौक, छतौनी, मीना बाजार, गांधी चौक, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर स्थायी ऑटो स्टैंड निर्माण की मांग की। संघ के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

नगर आयुक्त ने जलजमाव प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण, नाला सफाई अभियान चलाने का निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। नगर आयुक्त, नगर निगम मोतिहारी ने शुक्रवार को शहर के जलजमाव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड संख्या 26 स्थित गुप्ता गैस एजेंसी के बगल वाली गली में निर्माणाधीन नाला एवं सड़क कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए विशेष नाला सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सभी आवश्यक कदम समय रहते पूरे किए जाएं। उन्होंने नालों की क्षमता बढ़ाने, जाम नालियों की सफाई कराने तथा क्षतिग्रस्त क्रॉसिंग की मरम्मत कराने के भी निर्देश दिए, ताकि शहरवासियों को जलजमाव की समस्या से राहत मिल सके। नगर आयुक्त ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने पर भी जोर दिया।

निर्माणाधीन मॉडल विद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने शनिवार को निर्माणाधीन मॉडल विद्यालय श्री रामदवन विभीषण उच्च माध्यमिक +2 विद्यालय, लखौरा का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की महत्त्वाकांक्षी योजना के तहत जिले के 27 प्रखंडों में एक-एक मॉडल विद्यालय की स्थापना की जा रही है। इन विद्यालयों का उद्देश्य कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी एवं नवाचार-आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है। प्रत्येक विद्यालय में आधुनिक शिक्षण पद्धति एवं सूचना प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग पर विशेष बल दिया जाएगा। माध्यमिक स्तर (कक्षा 9-10) के लिए संगीत, ललित कला, नृत्य एवं शारीरिक शिक्षा सहित कुल 8 शिक्षकों तथा उच्च माध्यमिक स्तर (कक्षा 11-12) के लिए 16 शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। शिक्षकों का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, प्रदर्शन एवं साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। जिले के इन 27 मॉडल विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने ही प्रखंड में उच्च स्तरीय शिक्षा सुलभ हो सकेगी। एन.एम.एम.एस परीक्षा में 50 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को मेरिट के आधार पर नामांकन का अवसर मिलेगा। नामांकन शुल्क अन्य सरकारी विद्यालयों के समान ही रहेगा। ये विद्यालय न केवल शिक्षा के केंद्र होंगे, बल्कि आसपास के अन्य सरकारी विद्यालयों के लिए शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं संसाधन-साझेदारी के केंद्र के रूप में भी कार्य करेंगे। जिला पदाधिकारी ने कहा कि इन संस्थानों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के मानक के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस पहल से पूर्वी चम्पारण के बच्चों का सरकारी विद्यालयों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का सपना साकार होगा।

"सहयोग शिविर" से घर-द्वार पर होगा समाधान, पूर्वी चंपारण में 19 मई से पहल शुरू

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बिहार सरकार के निर्देश पर जलि में जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए "सहयोग शिविर" का आयोजन शुरू किया जा रहा है। इसकी शुरुआत आगामी 19 मई 2026 से होगी। यह शिविर प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायतवार आयोजित किए जाएंगे, जिसकी सूची पूर्व में साझा की जाएगी। इसके साथ ही हर सप्ताह सोमवार और शुक्रवार को ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक सभी सरकारी कार्यालयों में पदाधिकारी निर्धारित स्थल पर मौजूद रहकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे। शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों, अनुमंडल पदाधिकारियों, डीसीएलआर, बीडीओ एवं अंचल अधिकारियों को शिविर आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि शिविर पंचायत सरकार भवन या उसके निकट सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित होंगे, जहां नागरिकों के बैठने की समुचित व्यवस्था रहेगी। शिविर की अध्यक्षता वरीय प्रशासनिक पदाधिकारी करेंगे। साथ ही, राजस्व एवं भूमि सुधार से जुड़े लंबित मामलों की सूची भी सार्वजनिक की जाएगी, जिससे लोगों को अपने मामलों की जानकारी आसानी से मिल सके। नागरिक शिविर से 30 दिन पूर्व आवेदन जमा कर सकेंगे, जिनका निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन कर आवेदकों को सूचित किया जाएगा। सभी शिकायतों को "शिविर संवाद समाधान पोर्टल" पर दर्ज कर रियल टाइम मॉनिटरिंग के जरिए निगरानी की जाएगी।शिविर से पहले संबंधित पंचायत के सभी आवेदनों का निपटारा अनिवार्य किया गया है। साथ ही, इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिविरों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। राज्य स्तर पर भी मुख्यमंत्री द्वारा इस पहल को आगे बढ़ाने की योजना है। "सहयोग शिविर" सरकार और जनता के बीच सेतु बनकर "सबका सम्मान, जीवन आसान" के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

मजदूरों की हक की हुंकारः सुगौली में गरजी आवाज, शोषण के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान

बीएनएम @ मोतिहारी। विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर जिला के सुगौली में जन संवाद मंच द्वारा आयोजित विचार गोष्ठी में मजदूरों के अधिकारों को लेकर जोरदार बहस और तीखे तेवर देखने को मिले। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. प्रमोद स्टिपन के आवास पर किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने इसे एक प्रभावशाली सामाजिक मंच बना दिया। गोष्ठी में मजदूरों की बदहाल स्थिति, न्यूनतम मजदूरी, बीमा सुरक्षा तथा अन्य राज्यों में उनके साथ हो रहे दुर्व्यवहार जैसे गंभीर मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि जब तक मजदूर संगठित नहीं होंगे, तब तक उनका शोषण जारी रहेगा। डॉ. प्रमोद स्टिपन ने अपने संबोधन में मजदूरों की एकता पर जोर देते हुए कहा, "आज जरूरत है जागरूकता और संगठन की, तभी मजदूर अपने अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ पाएंगे।" उन्होंने अन्य राज्यों में मजदूरों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार पर भी चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी प्रभात जी ने की। इस अवसर पर अजहर हुसैन, एस.पी.एन. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य के.पी. भारती, डॉ. पवन कुमार, रामेश्वर कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। गोष्ठी के अंत में भाग लेने वाले युवाओं को माला पहनाकर सम्मानित किया गया, जिससे उनके उत्साह और सक्रिय भागीदारी की सराहना की गई। यह आयोजन मजदूरों के अधिकारों के लिए एक सशक्त आवाज के रूप में सामने आया।

मेहसी में 200 लीटर स्प्रिट के साथ बोलेरो जब्त, पांच गिरफ्तार

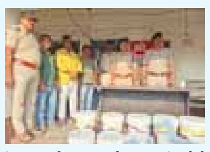

बीएनएम @मोतिहारी। जिला के मेहसी थाना पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक बोलेरो वाहन से 200 लीटर अवैध स्प्रिट बरामद करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि मोतिपुर से बरजी होते हुए अमवा कनकटी बाजार की ओर एक बोलेरो गाड़ी में स्प्रिट छुपाकर ले जाया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने आमवा कनकटी बाजार से पहले वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान सिल्वर रंग की बोलेरो (रजिस्ट्रेशन नंबर BR31P1226) को रोककर तलाशी ली गई। इस तलाशी के क्रम में वाहन से 20-20 लीटर के 10 प्लास्टिक बाल्टियों में कुल 200 लीटर स्प्रिट बरामद किया गया। मौके से चालक सुमन कुमार (28 वर्ष) एवं खलासी विनोद राय (33 वर्ष), दोनों निवासी पुरानी बाजार मोतिपुर, को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर छापेमारी कर तीन अन्य आरोपियों राजेश सिंह, सोनू कुमार एवं मो. सगीर (सभी थाना मोतिपुर, जिला मुजफ्फरपुर) को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इस कार्रवाई में एक बोलेरो वाहन, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन (पोको व ओपो कंपनी) भी जब्त किए हैं। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार चालक सुमन कुमार और राजेश सिंह का आपराधिक इतिहास भी रहा है। मामले की जांच जारी है। इस छापेमारी अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चकिया संतोष कुमार, मेहसी थानाध्यक्ष सानु गौरव, अपर थानाध्यक्ष कृष्ण मोहन कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल शामिल थे।

छतौनी थाना क्षेत्र में अवैध देह व्यापार का खुलासा, चार महिलाएं गिरफ्तार

बीएनएम @मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने छतौनी थाना क्षेत्र में अवैध देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से मोबाइल फोन एवं अन्य सामान भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 1 मई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि छतौनी थाना क्षेत्र स्थित सोनमति मंदिर के पास अवैध देह व्यापार का संचालन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार महिलाओं से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन पीस निरोध और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस छापेमारी दल में प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक सह मुफस्सिल थानाध्यक्ष कुमारी प्रियंका, छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार यादव, नगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक राजीव रंजन, महिला थाना की थानाध्यक्ष मोना कुमारी, पुलिस अवर निरीक्षक प्रीति पाल तथा महिला सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

शराबबंदी कानून में लापरवाही पर कोटवा थानाध्यक्ष निलंबित

बीएनएम @मोतिहारी। बिहार में लागू शराबबंदी कानून के पालन में लापरवाही बरतना कोटवा थानाध्यक्ष को महंगा पड़ गया। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने सख्त कार्रवाई करते हुए कोटवा थानाध्यक्ष कर्ण कुमार को निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार, शराबबंदी कानून को प्रभावी तरीके से लागू नहीं करने और थाना क्षेत्र में अवैध शराब गतिविधियों पर नियंत्रण में शिथिलता पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष के खिलाफ विभागीय कार्रवाई चलाने का भी निर्देश दिया है। एसपी स्वर्ण प्रभात की इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। जिले के सभी थानाध्यक्षों और पुलिस पदाधिकारियों के बीच इस कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट संकेत दिया है कि शराबबंदी कानून के अनुपालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को शराब तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ सख्त अभियान चलाने का निर्देश दिया है। एसपी की कार्रवाई को जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और पुलिस प्रशासन में जवाबदेही तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अतिक्रमणकारियों का दंश झेल रही हरसिद्धि-सोनबरसा झील, सौंदर्यीकरण की दरकार

झील बन सकता है प्रमुख पर्यटक स्थल व पिकनिक स्पॉट

राकेश कुमार
सब- एडिटर-
बॉर्डर न्यूज़ मिरर

"हरसिद्धि प्रखंड की ऐतिहासिक सोनबरसा झील अतिक्रमण और प्रशासनिक उपेक्षा की मार झेल रही है। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह झील यदि अतिक्रमण मुक्त कर विकसित की जाए तो पूर्वी चंपारण का प्रमुख पर्यटन स्थल और पिकनिक स्पॉट बन सकती है। जिलाधिकारी द्वारा पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर प्रस्ताव मांगे जाने के बाद स्थानीय लोगों में सोनबरसा झील के संरक्षण और सौंदर्यीकरण को लेकर नई उम्मीद जगी है।"

मोतिहारी। हरसिद्धि प्रखंड क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक सोनबरसा झील आज अपनी बदहाली और अतिक्रमण की समस्या से जूझ रही है। प्राकृतिक सुंदरता और विशाल जलक्षेत्र के बावजूद यह झील प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार बनी हुई है। यदि इस झील का समुचित विकास और सौंदर्यीकरण कराया जाए तो यह न केवल हरसिद्धि बल्कि पूरे पूर्वी चंपारण जिले का प्रमुख पर्यटक स्थल और आकर्षक पिकनिक स्पॉट बन सकता है।

वर्तमान में झील की जमीन पर लगातार अतिक्रमण हो रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा किनारे की भूमि पर अवैध कब्जा किए जाने से झील का क्षेत्रफल धीरे-धीरे सिकुड़ता जा रहा है। कई स्थानों पर मिट्टी भराई और निर्माण कार्य भी किए जा रहे हैं, जिससे झील के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण नहीं रोका गया तो आने वाले वर्षों में यह ऐतिहासिक जलाशय अपनी पहचान खो देगा।

इधर, जिलाधिकारी द्वारा ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास को लेकर की गई पहल से लोगों में नई उम्मीद जगी है। जिलाधिकारी ने 30 अप्रैल को ज्ञापांक संख्या-1632 जारी कर सभी प्रखंड प्रशासन से अपने-अपने क्षेत्रों के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास हेतु प्रस्ताव मांगा है। इस निर्देश के बाद लोगों को उम्मीद है कि हरसिद्धि का सोनबरसा झील भी विकास योजनाओं में शामिल हो सकता है।

स्थानीय बुद्धिजीवियों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि झील के चारों ओर सौंदर्यीकरण कराया जाए, पार्क, पथ-प्रकाश, बैठने की व्यवस्था, नौकायन, बच्चों के मनोरंजन के साधन और हरियाली विकसित की जाए तो यह स्थल हजारों लोगों को आकर्षित कर सकता है। खासकर त्योहारों और छुट्टियों के दौरान यह एक बेहतर पिकनिक स्पॉट के रूप में उभर सकता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे तथा आसपास के छोटे व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा।

हालांकि, अब तक प्रखंड एवं अंचल प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई होती नहीं दिख रही है। जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी लोगों को निराश कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन यदि गंभीरता दिखाए और जनप्रतिनिधि पहल करें तो सोनबरसा झील को अतिक्रमण मुक्त कर उसका संरक्षण और विकास संभव है। लोगों ने जिला प्रशासन से झील को पर्यटन मानचित्र पर लाने और इसके संरक्षण के लिए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

पताही में जनगणना 2027 की तैयारी तेज, 358 गणना कर्मियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

बीएनएम @ पताही

पताही। जनगणना 2027 को लेकर पताही प्रखंड प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभा भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर कुल 306 प्रगणक और 52 पर्यवेक्षक सहित 358 गणना कर्मियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी उदय कुमार ने बताया कि जनगणना का प्रथम चरण 2 मई से 31 मई तक संचालित होगा। इस दौरान मकान सूचीकरण एवं आवास गणना का कार्य किया जाएगा। वहीं, 17 अप्रैल से 1 मई तक स्व-गणना की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी, जो देश का सबसे बड़ा डिजिटल गणना अभियान होगा। मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से डेटा संग्रहण किया जाएगा। उन्होंने लोगों से सुरक्षित एवं गोपनीय तरीके से स्व-गणना में भाग लेने की अपील करते हुए "हमारी जनगणना, हमारा भविष्य" का संदेश दिया। बीडीओ ने बताया कि सभी गणना कर्मियों को नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। डेटा एंट्री सीएमएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन की जाएगी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान फील्ड में आने वाली संभावित चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। हालांकि कार्यक्रम के दौरान कुछ प्रगणकों ने शिकायत की कि उन्हें जनगणना कार्य के लिए आवश्यक किट उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में जिला समन्वयक से संपर्क करने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कार्यक्रम में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी शंकर कुमार, सांख्यिकी कर्मी संदीप कुमार, रामप्रीत साह, मनोज झा सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्वी चम्पारण का बढ़ा मानः मास्टर ट्रेनर मुकेश कुमार ब्राजील दौरे पर भारतीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल

बीएनएम @मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के लिए यह अत्यंत गौरव और खुशी का क्षण है कि जिले के मास्टर ट्रेनर एवं ढाका प्रखंड के बरेवा स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार का चयन भारतीय निर्वाचन आयोग के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में किया गया है। यह प्रतिनिधिमंडल 25 से 29 मई 2026 के बीच ब्राजील के अंतर्राष्ट्रीय दौरे पर जाएगा। यह महत्वपूर्ण दौरा भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (IIIDEM), नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ब्राजील के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के साथ अनुभवों का आदान-प्रदान करेगा। प्रतिनिधिमंडल में निर्वाचन आयोग के वरीय पदाधिकारियों के साथ पूर्वी चम्पारण के एक मास्टर ट्रेनर का चयन जिले के लिए विशेष उपलब्धि मानी जा रही है। श्री कुमार का चयन उनकी उत्कृष्ट कार्यक्षमता, समर्पण और निर्वाचन प्रक्रिया में दक्षता का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि पूर्वी चम्पारण जिले ने हाल के लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में अपने सुदृढ़ और प्रभावी निर्वाचन प्रबंधन के लिए विशिष्ट पहचान बनाई है। इस सफलता में मुकेश कुमार जैसे कर्मठ और समर्पित कार्मिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले के नागरिकों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए श्री कुमार को शुभकामनाएं दी हैं। पूर्वी चम्पारण का प्रतिनिधि आज अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का मान बढ़ाने जा रहा है — यह पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है।

अनुमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए कई निर्देश, योजनाओं की प्रगति की ली जानकारी

बीएनएम @ अरेराज

अरेराज। अरेराज प्रखंड के मिश्रौलिया पंचायत स्थित पंचायत सरकार भवन के सभा कक्ष में शनिवार को पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में अनुमंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अरेराज, संग्रामपुर, पहाड़पुर और हरसिद्धि प्रखंड के बीडीओ, राजस्व अधिकारी, आवास पर्यवेक्षक, मनरेगा पीओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एक-एक कर सभी विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने षष्ठम एवं पंद्रहवीं वित्त आयोग, ग्रामीण आवास योजना, पेयजल, मनरेगा, जन वितरण प्रणाली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही दाखिल-खारिज, परिमार्जन, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र से संबंधित कार्यों की रिपोर्ट भी तलब की गई। समीक्षा के दौरान आम लोगों के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों को जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई और समयबद्ध तरीके से कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद डीएम ने पंचायत क्षेत्र में स्थित खेल मैदान का निरीक्षण किया तथा वहां मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को साफ-सफाई बनाए रखने सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एसडीएम अंजली शर्मा एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता इति चतुर्वेदी ने पंचायत सरकार भवन के समीप मनरेगा योजना से निर्मित बांध एवं छठ घाट का अवलोकन किया। इस दौरान पंचायत के मुखिया देशबंधु कुमार सिंह से उसके सौंदर्यीकरण को लेकर चर्चा की गई। बताया गया कि पंचायत में जल संचय एवं जनकल्याणकारी कार्यों के लिए मुखिया देशबंधु कुमार सिंह को प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। योजनाओं के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने पंचायत में कराए गए विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अन्य पंचायत प्रतिनिधियों को भी इसी तरह विकास कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया देशबंधु कुमार सिंह, सरपंच संजय कुमार सिंह, पूर्व सरपंच संजय सिंह, पैक्स अध्यक्ष उपेंद्र सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अजीत कुमार सिंह, अभय सिंह, विनय सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

15 लीटर देसी शराब के साथ महिला गिरफ्तार

बीएनएम @हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 15 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में अवैध रूप से देसी शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की, जहां से शराब बरामद की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने खोड़ीपाकड़ निवासी ललिता देवी (35 वर्ष), पति राजेश्वर चौधरी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार महिला अवैध शराब कारोबार में संलिप्त थी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार महिला से पूछताछ की जा रही है तथा उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, सोनबरसा पंचायत में आवास सूचीकरण कार्य शुरू

बीएनएम @हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत आवास सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज गति से शुरू हो गया है। इस चरण में गांवों के घरों का विवरण एकत्र करने के साथ-साथ नजरी नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया भी चल रही है। ग्राम पंचायत सोनबरसा में फील्ड ट्रेनर एवं पर्यवेक्षक प्रमोद महतो के नेतृत्व में प्रगणकों की टीम ने अपने-अपने निर्धारित एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) क्षेत्र में पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया। टीम ने घर-घर जाकर मकानों की स्थिति, संख्या एवं भौगोलिक स्थिति का आकलन किया तथा सटीक आंकड़े दर्ज करने के लिए नजरी नक्शा तैयार करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। जनगणना कार्य में शिक्षकों की भी सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। इस दौरान छठू राउत, बैजनाथ पासवान, मनोज कुमार, मंतोष कुमार और राकेश कुमार सहित अन्य कर्मियों ने क्षेत्र का भ्रमण कर आवश्यक आंकड़े एकत्र किए। अधिकारियों के अनुसार, इस प्रक्रिया से भविष्य में जनगणना के आंकड़ों को अधिक व्यवस्थित एवं सटीक बनाने में मदद मिलेगी। पर्यवेक्षक प्रमोद महतो ने बताया कि जनगणना का यह प्रारंभिक चरण बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी के आधार पर आगे की गणना की रूपरेखा तय की जाती है। उन्होंने कहा कि सभी प्रगणकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने कार्य को पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा करें।

24 लीटर चुलाई शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @अरेराज/हरसिद्धि

अरेराज/हरसिद्धि। उत्पाद विभाग की टीम को अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर गोविंदापुर पुल के पास छापेमारी कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, एसआई उत्पल कुमार और अजित कुमार सिंह ने पुलिस बल के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए संदिग्ध स्कूटी सवार को रोका। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 24 लीटर चुलाई शराब बरामद की गई। साथ ही शराब तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी बाइक को भी जब्त कर लिया गया। उत्पाद पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया जारी है। उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा ऐसे कारोबार में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बीरगंज में रास्वपा पर्सा का विशाल रक्तदान शिविर, 7 महिलाओं समेत 111 लोगों ने किया रक्तदान

बीएनएम @ रक्सौल/बीरगंज

रक्सौल/बीरगंज। राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) पर्सा के तत्वावधान में शनिवार को बीरगंज स्थित क्लासिक बैंक्वेट हॉल में विशाल रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्र में रक्त की कमी को देखते हुए आयोजित इस शिविर में 7 महिलाओं सहित कुल 111 लोगों ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान करने वालों में बिन्दा कुमारी, शान्ति मोक्तान, दीपक कुमार सिंह, चन्दन कुमार पण्डित, निजामुद्दीन अंसारी, राजकुमार सहनी, शेख मजीद और सुनील कुमार चौधरी समेत कई लोग शामिल रहे। यह कार्यक्रम रास्वपा पर्सा के अध्यक्ष एवं पर्सा-1 के प्रतिनिधि सभा सदस्य बुद्धि प्रसाद पन्त (हरि पन्त) के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नेपाल रेडक्रस सोसाइटी पर्सा के सभापति बृजकिशोर पटेल, शैक्षिक शहीद मुकुन्द खनाल प्रतिष्ठान पर्सा की सभापति मुना खनाल, वीरगंज कपड़ा बैंक के अध्यक्ष लालबाबु सिंह, एलोकल नेपाल खबर के संचालक युवराज केसरी, कार्यक्रम संयोजक एवं शिक्षाविद् मार्टिन मोक्तान, रास्वपा पर्सा की उपाध्यक्ष तुलसा पौडेल, सचिव सुदिस प्रजापति, वीरगंज महानगर अध्यक्ष अमन आलम और सचिव गौतम श्रेष्ठ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सांसद बुद्धि प्रसाद पन्त ने कहा कि बीरगंज में रक्त की कमी की सूचना मिलने के बाद कम समय में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से किसी प्रकार की हानि नहीं होती, बल्कि इससे जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से हर तीन महीने पर नियमित रक्तदान करने की अपील की। नेपाल रेडक्रस सोसाइटी पर्सा के सभापति बृजकिशोर पटेल ने बताया कि बीरगंज रक्तसंचार केन्द्र में रक्त की कमी के कारण नारायणी अस्पताल समेत कई अस्पतालों में मरीजों के इलाज पर असर पड़ रहा है। ऐसे समय में रास्वपा पर्सा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सराहनीय पहल है। उन्होंने रक्तदाताओं को समाज का वास्तविक नायक बताया। कार्यक्रम में नेपाल रेडक्रस सोसाइटी पर्सा की महिला सदस्य मुना खनाल तथा रक्तसंचार केन्द्र बीरगंज के प्रमुख सौरभराज पाण्डेय के नेतृत्व में रेडक्रस, वीरगंज नर्सिंग कैंपस और हिमाल इंस्टीच्यूट नर्सिंग कॉलेज के स्वयंसेवकों ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में सहयोग किया।

भारत ने कदम पीछे खींच लिए हैं?

कॉप-33 की मेजबानी से भारत ने इनकार कर दिया है। यह निर्णय रहस्यमय लगता है, क्योंकि मेजबानी पाने की पहल खुद प्रधानमंत्री ने की थी। उसके बाद आखिर ऐसा क्या बदल गया, जिस कारण भारत ने कदम पीछे खींच लिए हैं?

जिस समय अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में भारत के अलग-थलग पड़ने से देशवासियों में व्यग्रता गहराई है, नरेंद्र मोदी सरकार ने फिर एक फैसला लिया है, जिसका भारत की वैश्विक छवि पर खराब पड़ेगा। भारत सरकार ने संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन पर संबंधित पक्षों के सम्मेलन (कॉप-33) की मेजबानी से इनकार कर दिया है। यह निर्णय रहस्यमय भी लगता है, क्योंकि इसकी मेजबानी पाने की पहल खुद प्रधानमंत्री ने की थी। 2023 में दुबई में हुए कॉप-28 के दौरान उन्होंने ये की पेशकश की, जिसे तुरंत स्वीकार कर लिया गया था। मुद्दा है कि उसके बाद आखिर ऐसा क्या बदल गया, जिस कारण भारत ने 2028 में तय सम्मेलन की मेजबानी से कदम पीछे खींच लिए हैं? अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बदलाव यह आया कि डॉनल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका जलवायु परिवर्तन से संबंधित संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं से अलग हो गया। दरअसल, ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन संबंधी वैज्ञानिकों की सोच को एक धोखा बता रखा है। उन्होंने 'ड्रिल बेबी ड्रिलó के नारे के तहत जीवाश्म ऊर्जा का प्रचलन बढ़ाने की मुहिम छेड़ रखी है। क्या वॉशिंगटन में आए इस बदलाव से भारत सरकार प्रभावित हुई है? इससे जुड़ा सवाल यह भी उठेगा कि क्या 2023 में भारत ने मेजबानी इसलिए मांगी थी, क्योंकि क्लाइमेट एजेंडे को आगे बढ़ाना अमेरिका के तत्कालीन जो. बाइडेन प्रशासन की प्राथमिकता थी? भारत सरकार को ऐसी धारणाओं को तोड़ने का सायास प्रयास करना चाहिए। अभी जबकि ट्रंप की विज्ञान विरोधी अभियानों से दुनिया भर में अमेरिका के सॉफ्ट पॉवर में तेजी से ह्रास हो रहा है, ये सही वक्त है जब भारत जैसा देश ऐसे प्रयासों में अधिक दिलचस्पी लेकर अपनी वैश्विक छवि एवं हैसियत को ऊंचा उठाए। मोदी के बारे में धारणा है कि वे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मौजूदगी के लिए उत्साहित रहते हैं। फिर भी इस मामले में भारत सरकार ने विपरीत कदम उठाया है। स्पष्टतः ऐसा कर वह वैश्विक चिंताओं की आवाज बनने का मौका गवां रही है। साथ ही ऐसे कदमों से ऐसी धारणाओं को भी बल मिल रहा है कि भारत अमेरिका का पिछलग्गू बनता जा रहा है।

एंग्जाइटी से बचने के लिए ध्यान जरुरी

संजय गोस्वामी

आजकल एंग्जाइटी के रोग बढ़ने लगे है एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर से पीडित व्यक्ति हर वक्त डरा रहता है, उसे घबराहट महसूस होती है और उसके हाथ पैर कांपने लगते हैं। उसे नींद न आने की परेशानी होने लगती है और उसे लगातार पसीना भी आता है। धीरे धीरे धीरे ये सभी लक्षण इतने आम हो जाते हैं कि व्यक्ति एंग्जाइटी डिस्ऑर्डर का शिकार हो जाता हैजब भी डर लगता है तो एंग्जाइटी रोग उत्पन्न होता है। यह या तो किसी गलत कार्य के कारण होता है या फिर क़ोई बुरी घटना के कारण होता है मैं यह नहीं जानता हूं यह डर क्या एक अविद्या है। क्योंकि डर में आपका विवेक ख़त्म होने लगता है और दवा से यह और भी खतरनाक हो जायेगा क्योंकि दवाई कुछ देर के लिए राहततो देती है लेकिन डॉ का चक्करसे बीमारी और भी बढ़ जाती है इसलिए ध्यान जरुरी है इसमें क्या *मैं हूं* यह जान सकता हूं और संसार में कैसे कैसे लोग हैं जो कुछ सकारात्मक विचार रखते हैं लेकिन आधे से अधिक नकारात्मक और बीमारी को गंभीर बना देते है इसलिए पहले डर को ख़त्म कर अपने मन को नियंत्रण करना सीखे। जो भी जाना, सुना जाता है वह बुद्धि द्वारा होता है और मेरे से अलग होता है।अन्ताकरण-मन जड़-चेतन मिश्रित है। जड़-चेतन की जो ग्रंथि है यह केवल ज्ञान से दूर होती है और जब होगी तो ऐसे होगी जैसे अनन्त काल का अंधेरा एक वत्ती जलाने से दूर हो जाता है। ऋतेज्ञानान्नामुक्ति कहा है। इसके लिए भगवान राम का ध्यान जो शीशे जैसा बिल्कुल साफ और दया के सागर हैं और सत् चित् आनन्दघन परमात्मा राम की उपासना का बहुत बड़ा महत्व होता है। ऐसे मैंने सुना है व पढ़ा भी है। : भौतिक विज्ञान की दुनिया में एक बेहद रहस्यमयी लेकिन पूरी तरह प्रमाणित सच्चाई है, जिसे प्रेक्षक प्रभाव कहा जाता है। जब हम सूक्ष्म कणों को नहीं देख रहे होते हैं, तो वे एक ऊर्जा की तरंग की तरह व्यवहार करते हैं, जो एक ही समय में कई जगहों पर फैली होती है। लेकिन विज्ञान का सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि जैसे ही हम उन्हें देखने या मापने की कोशिश करते हैं, उनका व्यवहार तुरंत बदल जाता है। ठीक उसी पल में वे तरंग से बदलकर एक निश्चित स्थान पर मौजूद ठोस कण बन जाते हैं। इसका सीधा अर्थ है कि केवल हमारी देखने या ध्यान केंद्रित करने की क्रिया ही सूक्ष्म स्तर पर वास्तविकता के रूप को तय करती है। यह हमारे ब्रह्मांड के सबसे गहरे और प्रमाणित वैज्ञानिक नियमों में से एक है।आसान भाषा में माया इसी को कहते हैं 1 अध्यारोपापवाद (अध्यारोप + अपवाद = पहले अध्यारोप, फिर अपवाद (हटाना)) अद्वैत वेदांत में आत्मतत्व के उपदेश की वैज्ञानिक विधि। ब्रह्म के यथार्थ रूप का उपदेश देना अद्वैत मत के आचार्य का प्रधान लक्ष्य है। ब्रह्म है स्वयं निष्प्रपंच और इसका ज्ञान बिना प्रपंच की सहायता के किसी प्रकार भी नहीं कराया जा सकता है अद्वैत 'अध्यारोप–अपवाद' तक पहुँचकर रुक जाता है। वहाँ अनुभव को 'अविद्या' कहकर नकार दिया जाता है, पर यह स्पष्ट नहीं किया जाता कि कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान का प्रत्यक्ष अनुभव किसकी सत्ता में घटित हो रहा है। यदि अविद्या का आश्रय शुद्ध चैतन्य है तो उसकी निष्कलंकता खंडित होती है; और यदि नहीं है, तो अविद्या का अस्तित्व ही असिद्ध हो जाता है। 'अनिर्वचनीय' कहना इस विरोध को टालना है, सुलझाना नहीं। कैवल ज्ञान के अनुसार कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान न ब्रह्म के हैं, न मिथ्या अध्यास के—वे अंश-वृत्ति की वास्तविक प्रवृत्तियाँ हैं। अंश देह–प्रकृति में रमण करके 'मैं करता हूँ, मैं भोगता हूँ' का अनुभव करता है, जबकि अंशी (कैवलकर्ता) उससे सर्वथा परे, मूल नियंता सत्ता है। अतः अद्वैत जहाँ भेद को नकारता है, वहाँ कैवल ज्ञान भेद के आधार को उद्घाटित करता है। 'नेह नानास्ति किञ्चन' अनुभव की एक अवस्था है, अंतिम सिद्धांत नहीं। जब तक अनुभवकर्ता, उसकी प्रवृत्ति और मूल सत्ता का भेद स्पष्ट नहीं होता, तब तक समाधान अधूरा ही रहता है। यहीं अद्वैत की सीमा है, और यहीं से कैवल ज्ञान का आरम्भ होता है।" , 'कर्तापन प्रकृति में है' कहना तभी टिकेगा जब अंश का अनुभव भी मिथ्या मानें; पर अनुभव प्रत्यक्ष है, इसलिए उसे केवल 'प्रतीत' कहकर हटाया नहीं जा सकता। जड़ प्रकृति न कर्ता हो सकती है, न भोक्ता। जहाँ 'मैं करता हूँ, मैं भोगता हूँ' का अनुभव है, वहीं कर्तापन-भोक्तापन का वास्तविक आधार मानना पड़ेगा और वह अंश-वृत्ति में ही है। यदि कर्तापन प्रकृति का है, तो भोग भी उसी को होना चाहिए; और यदि भोग अंश में है, तो कर्तापन भी उसी में स्वीकार करना पड़ेगा इन दोनों को अलग नहीं किया जा सकता। अंशी मूलतः अकर्ता, शुद्ध बोध है; उसमें न संकोच-विकास है, न क्रिया। क्रिया, अनुभव और भोग ये सब अंश-वृत्ति के क्षेत्र में ही घटित होते हैं। इसलिए कर्तापन को प्रकृति पर और भोग को अंश पर बाँटना असंगत है। सुसंगत निष्कर्ष यही हैः अंशी अकर्ता अधिष्ठान है, और अंश अंश-वृत्ति में वास्तविक कर्ता-भोक्ता है यही कार्य-स्तर का वास्तविक भेद है, न कि मात्र प्रतीत।अग्नि और उष्णता दो पदार्थ नहीं होते एक ही होती है, अग्नि की ही सत्ता में उसकी उष्णता शक्ति की सत्ता होती है,यह दो नहीं अपितु एक ही है ऐसे ही अशं -अंशी दो नहीं एक ही है , अग्नि और उष्णता दो पदार्थ नहीं होते एक ही होती है, अग्नि की ही सत्ता में उसकी उष्णता शक्ति की सत्ता होती है,यह दो नहीं अपितु एक ही है ऐसे ही अशं -अंशी दो नहीं एक ही है ,जहा सत्ता में भेद हो जाता है वहीं द्वैत भाव आ जाता है और यह भेद व्यवहार कहलाता है,जिसका कारण ब्रह्म की माया ही है जिसको शाक्त सम्प्रदाय शक्ति कहता हैं, असल में शक्ति -शक्तिमान दो नहीं है एक ही तत्व का स्फुरण मात्र है, एक रूप तेरा सकल पसारा| आपहि बनिज आप व्यवहार|| कितना सत्य उगल रही यह वाणी अद्वैत के दृष्टिकोण से शक्ति जो ब्रह्म का अंग नहीं उसी का ही रूप है उसके रूप का यह जगत पसारा है या जगत उसी का रूप है , आप अद्वैत होकर भी अपनी ही माया के उपाधि भेद से जगत में सत्ता भेद -द्वैत क्रिडा व्यवहार का खेल खेलते हैंआदरणीय, केवलाद्वैत का सम्मान करते हुए एक मूल प्रश्न उपस्थित है यदि "जीवो ब्रह्मैव" है, तो जीव में अनुभूत कर्तापन, भोक्तापन और अज्ञान का आश्रय किसे माना जाए? उसे ब्रह्म में रखें तो उसकी निर्विकारता प्रभावित होती है, और ब्रह्म से भिन्न मानें तो अद्वैत की व्याख्या कठिन हो जाती है। सकर्त्ता सिद्धांत इस विषय को स्तरभेद से स्पष्ट करता है अंश (चेतन) और अंशी (कैवलकर्ता) को उनके-अपने क्षेत्र में यथार्थ मानते हुए। जीव अंश की देह-तादात्म्य अवस्था है, जहाँ कर्तापन, भोक्तापन और अविद्या अंश-वृत्ति रूप में प्रकट होते हैं; जबकि अंशी सर्वथा अतीत, अचल और अकर्मा रहता है। इस दृष्टि में अनुभव का निषेध नहीं, बल्कि उसका यथार्थ निर्धारण है विकृति अंश-वृत्ति में है, कैवलकर्ता में नहीं। अतः न ब्रह्म पर दोष आरोपित करना पड़ता है, न किसी "अनिर्वचनीय" तीसरी सत्ता की आवश्यकता रहती है। अविद्या अंश की ही अनादि विकृत वृत्ति है; इसकी निवृत्ति पर अंश अपने शुद्ध विदेह स्वरूप में प्रतिष्ठित होता है, और अंशी सदा अपनी अखंड स्थिति में स्थित रहता है।वास्तवमें तो ईश्वर परिपूर्ण विज्ञानानन्दघन हैं।अग्नि तो वस्तुतः एक ही है, परंतु जब वह अनेक प्रकारकी लकड़ियों में प्रकट होती है तब अनेक-सी मालूम पड़ती है। वैसे ही सबके आत्मरूप भगवान् तो एक ही हैं, परंतु प्राणियोंकी अनेकता से अनेक जैसे जान पड़ते हैं। भगवान् राम ही सूक्ष्म भूत-तन्मात्रा, इन्द्रिय तथा अन्तःकरण आदि गुणोंके विकारभूत भावोंके द्वारा नाना प्रकारको योनियों का निर्माण करते हैं और उनमें भिन्न-भिन जीवोंके रूपमें प्रवेश करके उन-उन योनियोंके अनुरूप विषयोंका उपभोग करते-कराते हैं वे ही सम्पूर्ण लोकोंकी रचना करते हैं और देवता, पशु-पक्षी, मनुष्यादि योनियोंमें लीलावतार ग्रहण कर सत्त्वगुणद्वारा जीवों का पालन- पोषण करते हैं। आत्मा-परमात्मा,ब्रह्म, माया- प्रकृति यह तत्त्व अनादि और अनिर्वचनीय हैं। वेदांत दर्शन के अनुसार। इनके बारे में अनुभव करने की साधना करना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र पर हमला और चुनावी प्रक्रिया की साख पर सवाल

कान्तिलाल मांडोत

पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी परिदृश्य ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र के सामने गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिस प्रक्रिया को संविधान ने जनता की सर्वोच्च अभिव्यक्ति का माध्यम माना है, उसी प्रक्रिया के दौरान हिंसा, मारपीट, डराने-धमकाने और चुनावी मशीनों से छेड़छाड़ जैसे आरोप सामने आना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। हाल के घटनाक्रमों में भाजपा कार्यकर्ताओं और उम्मीदवारों पर हमले, बूथों पर तनाव और ईवीएम के साथ कथित छेड़छाड़ की खबरें इस बात का संकेत देती हैं कि चुनाव केवल मतदान का कार्य नहीं रह गया है बल्कि शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बनता जा रहा है।

इन घटनाओं के केंद्र में राजनीतिक दलों के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा तो है ही, लेकिन उससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि क्या मतदाता वास्तव में बिना भय के अपना मताधिकार इस्तेमाल कर पा रहा है। भाजपा के कार्यकर्ताओं पर हमले के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों पर हिंसा फैलाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्थिति केवल राजनीतिक टकराव नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा है।

चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन जिस तरह से बूथ स्तर पर एजेंटों को निशाना बनाया गया, उम्मीदवारों की गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और खुलेआम मारपीट हुई, वह यह दर्शाता है कि कानून और व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि हर नागरिक बिना किसी दबाव के अपने मत का प्रयोग करे। लेकिन जब किसी पोलिंग एजेंट को घायल कर दिया जाता है या किसी उम्मीदवार को मतदान केंद्र के आसपास घेर लिया जाता है, तो यह केवल एक व्यक्ति पर हमला नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर आघात है।

सबसे गंभीर आरोप ईवीएम मशीनों के साथ छेड़छाड़ को लेकर सामने आए हैं। यदि किसी भी मतदान केंद्र पर किसी विशेष पार्टी के चुनाव चिन्ह के सामने टेप लगाया जाता है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता को बाधित करने का प्रयास माना जाएगा। इस प्रकार की घटनाएं लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट कहा है कि जहां भी ऐसी शिकायतें सही पाई जाएंगी, वहां पुनर्मतदान कराया जाएगा। यह कदम आवश्यक है, लेकिन इससे यह सवाल भी उठता है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न ही क्यों हुई।

राजनीतिक बयानबाजी भी इस पूरे माहौल को और अधिक तनावपूर्ण बना रही है। ममता बानर के नेतृत्व वाली सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगा रहा है कि राज्य में निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं हो पा रहा है। वहीं सत्ताधारी दल इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताकर खारिज करता है। इस आरोप-प्रत्यारोप के बीच असली मुद्दा कहीं पीछे छूट जाता है, जो है आम मतदाता की सुरक्षा और स्वतंत्रता। चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होता, बल्कि यह जनता के विश्वास का प्रतीक होता है। यदि इस प्रक्रिया में हिंसा और डर का माहौल हावी हो जाए, तो यह विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। पश्चिम बंगाल में सामने आई घटनाएं यह संकेत देती हैं कि राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी दल की जीत या हार से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और शांतिपूर्ण हो। यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं चलता, बल्कि उसमें भाग लेने वाले सभी पक्षों की जिम्मेदारी होती है। राजनीतिक दलों, प्रशासन, सुरक्षा बलों और मतदाताओं सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होता है कि चुनाव एक उत्सव की तरह संपन्न हो, न कि संघर्ष के मैदान की तरह। जब कार्यकर्ता हिंसा का सहारा लेते हैं, तो वे अपने ही लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करते हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक संस्कृति लंबे समय से संघर्ष और प्रतिस्पर्धा से भरी रही है। लेकिन आधुनिक लोकतंत्र में इस प्रकार की हिंसात्मक प्रवृत्तियों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यदि किसी भी स्तर पर यह साबित होता है कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए जानबूझकर हिंसा या तकनीकी छेड़छाड़ की गई, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है। केवल पुनर्मतदान कराना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि दोषियों को सजा देना भी उतना ही जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू है जनता का भरोसा। जब लोग यह सुनते हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हुई या किसी पार्टी के कार्यकर्ताओं को मतदान से रोका गया, तो उनके मन में संदेह उत्पन्न होता है। यह संदेह लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। यदि जनता का विश्वास ही डगमगा जाए, तो चुनाव का महत्व कम हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष संयम बरतें और चुनाव आयोग को पूरी स्वतंत्रता और सहयोग दिया जाए। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त किया जाना चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा को रोका जा सके। साथ ही राजनीतिक दलों को अपने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश देना चाहिए कि वे कानून का पालन करें और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करें।

अंततः यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल अधिकार नहीं बल्कि जिम्मेदारी भी है। पश्चिम बंगाल में जो घटनाएं सामने आई हैं, वे केवल एक राज्य का मामला नहीं हैं, बल्कि पूरे देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए चेतावनी हैं। यदि हम इन घटनाओं से सबक नहीं लेते, तो भविष्य में ऐसी परिस्थितियां और अधिक गंभीर हो सकती हैं।

लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून से नहीं बल्कि आचरण से होती है। जब तक राजनीतिक दल अपने व्यवहार में सुधार नहीं लाते और हिंसा से दूरी नहीं बनाते, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। अब समय आ गया है कि चुनाव को संघर्ष नहीं बल्कि विश्वास और सहभागिता का माध्यम बनाया जाए, ताकि भारत का लोकतंत्र और अधिक मजबूत बन सके।

न्यूक्लियर हथियार लिख देंगे समूची सभ्यता के विनाश की इबारत

मनोज कुमार अग्रवाल

न्यूक्लियर हथियार समूची दुनिया के विनाश की इबारत लिख सकते हैं। विश्व के तमाम कथित प्रगतिशील ताकतवर देशों ने सामरिक संतुलन की आड़ में परमाणु हथियारों समेत इतना जखीरा जोड़ रखा है कि दुनिया का तीन बार खात्मा करने की क्षमता जुटा ली गयी है। यह समूची मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आखिर इंसान तरक्की के नाम पर हथियार और विनाश की दौड़ क्यों लगा रहा है? क्या दुनिया का भविष्य परमाणु हथियारों के साए में गिरवीं रखा जा रहा है?

वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और संघर्षों के कारण परमाणु युद्ध का खतरा शीत युद्ध के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुँच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव (इजरायल-ईरान), और चीन-अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता ने दुनिया को एक खतरनाक मोड़ पर खड़ा कर दिया है।परमाणु युद्ध के बढ़ते खतरों और कारणों की मुख्य बातें ये हैं

रूस द्वारा अपनी रणनीतिक परमाणु ताकतों को उच्च सतर्कता पर रखना और पश्चिमी देशों को परमाणु धमकी देना इस खतरे का मुख्य कारण है।

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष जैसे 2026 में डिमोना परमाणु केंद्र के पास मिसाइल हमला ने सीधे परमाणु टकराव की आशंकाओं को जन्म दिया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, एक खतरनाक नई परमाणु हथियारों की होड़ शुरू हो गई है, क्योंकि पारंपरिक शस्त्र नियंत्रण संधियां कमजोर हो रही हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष और उत्तर कोरिया का परमाणु कार्यक्रम भी परमाणु तनाव को बढ़ाते हैं।

दुनिया में न्यूक्लियर हथियारों के फैलाव और आधुनिकीकरण में खतरनाक हद तक बढ़ौतरी हो रही है तथा इसके लिए विभिन्न देशों द्वारा नई रणनीति बनाई जा रही है। अमरीका और रूस के बीच 50 वर्ष पूर्व न्यूक्लियर हथियारों के परिसीमन और उन्हें समाप्त करने सम्बन्धी की गई संधि, जिसे न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्टार्ट) कहा जाता है, 2021 में 5 वर्ष के लिए बढ़ाने के बाद अब 5 फरवरी को समाप्त हो चुकी है तथा इसे आगे बढ़ाने की दिशा में कोई बात नहीं की जा रही।

हालांकि, यह संधि किए जाने के बाद काफी न्यूक्लियर हथियार समाप्त कर दिए गए थे, परंतु अब नए हालात में अमरीका और रूस भी और न्यूक्लियर बम बनाना चाहते हैं, सऊदी अरब और तुर्की भी इसके लिए इच्छुक हैं तथा यूरोप में भी अब यह अहसास बढ़ रहा है कि उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए और न्यूक्लियर हथियार बनाने चाहिएं। यह बात ध्यान देने योग्य है कि अमरीका अपनी लम्बी दूरी की मिसाइल परीक्षण प्रणाली पर अरबों डॉलर रकम खर्च कर चुका है परंतु इसके बावजूद उसे टिकाऊ सुरक्षा प्राप्त नहीं हो सकी और अभी तक अमरीका हथियारों के निर्माण और फिर उन्हें समाप्त करने पर करदाताओं के 10 ट्रिलियन डॉलर खर्च कर चुका है। यह इतनी रकम है कि इससे गूगल, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट का ज्यादातर हिस्सा खरीदा जा सकता था। आपको बता दें इस समय स्थिति यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प के अंतर्गत अमरीका कोई संधि नहीं करना चाहता और यह बात तो रूस के अनुकूल ही है कि वह न्यूक्लियर हथियार बनाए। परंतु इसमें हानि किसकी है? इसमें हानि सारी दुनिया की है कि इतना धन खर्च करके न्यूक्लियर हथियार बनाने के बाद जिस स्थान पर उनका परीक्षण किया जाएगा, उस स्थान और उसके आसपास के लोगों का भारी नुकसान होगा।

दरअसल पिछली बार रूस ने जहां न्यूक्लियर हथियारों का परीक्षण किया था, उसके आसपास रहने वाले लोगों को वैसी ही समस्याओं से जूझना पड़ा था, जैसी समस्याओं और बीमारियों का सामना चेर्नोबिल परमाणु संयंत्र में लीकेज के समय लोगों को करना पड़ा था।

यदि कोई देश ऐसा करने के लिए भड़क उठे तो यही समस्याएं पैदा होंगी। कोल्ड वॉर के बाद अब पहली बार देश अपने हथियारों का जखीरा और इस्तेमाल के लिए तैयार बम बढ़ा रहे हैं। 2026 की शुरुआत तक 9 न्यूक्लियर हथियार वाले देशों के पास लगभग 12,187 वॉरहेड थे और इनकी बढ़ती संख्या को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

न्यूक्लियर हथियारों से सम्पन्न लगभग सभी 9 देश अपने वर्तमान मौजूदा हथियारों को अपग्रेड करने के साथ-साथ इनमें नए एवं अधिक उन्नत संस्करण वाले हथियारों की वृद्धि कर रहे हैं। हालांकि इसराईल के पास भी काफी न्यूक्लियर हथियार हैं परंतु इनकी घोषणा न करने के कारण इसराईल को इनमें नहीं गिना जाता।

बता दें ये देश इस्तेमाल के लिए तैयार हथियारों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ बैलिस्टिक मिसाइलों पर तैनात या बॉम्बर बेस पर स्टोर किए गए इस्तेमाल के लिए तैयार न्यूक्लियर हथियारों की संख्या बढ़ा रहे हैं जो इस समय बढ़कर लगभग 9,745 हो गई है जो वर्ष 2024 से 141 अधिक है। इस समय अमरीका व रूस के पास ही दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत न्यूक्लियर हथियार हैं। चीन भी अपने हथियारों का भंडार काफी बढ़ाने के अलावा अपने एडवांस्ड डिलीवरी सिस्टम की टैस्टिंग भी कर रहा है। इन हालात में ग्लोबल न्यूक्लियर रूलबुक कमजोर हो रही है और उक्त संधि चुनौतियों का सामना कर रही है। सैन्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और मिडल ईस्ट तनाव सहित बढ़ते झगड़ों के कारण न्यूक्लियर हथियारों के इस्तेमाल का खतरा पिछले एक दशक के दौरान इस समय अपने सबसे ऊंचे स्तर पर है और इस होड़ के फैलने का खतरा चिंताजनक मोड़ पर है। इसका कारण यह है कि दुनिया के वर्तमान हालात में अधिक देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए न्यूक्लियर हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।इन दिनों कृत्रिम बुद्धिमता के परिणामस्वरूप भी तकनीकी खतरे बढ़ गए हैं और नए हथियारों के हाइपरसोनिक डिलीवरी सिस्टम के इंटीग्रेशन से सैन्य मामलों पर फैसले लेने के लिए उपलब्ध समय कम हो रहा है, जिससे अचानक या तेजी से न्यूक्लियर हमले का खतरा बढ़ रहा है। ऐसे में इस संधि का नवीकरण न किए जाने की स्थिति में दुनिया को न्यूक्लियर हथियारों से होने वाली एक और तबाही के लिए तैयार रहना होगा वहीं तमाम मानवता के संदेश निरर्थक हो जाएंगे।

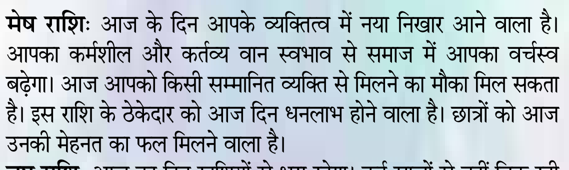

मेष राशिः आज के दिन आपके व्यक्तित्व में नया निखार आने वाला है। आपका कर्मशील और कर्तव्य वान स्वभाव से समाज में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिल सकता है। इस राशि के ठेकेदार को आज दिन धनलाभ होने वाला है। छात्रों को आज उनकी मेहनत का फल मिलने वाला है।

वृष राशिः आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। कई सालों से नहीं बिक रही जमीन आज अच्छे दामों में बिकने के योग हैं। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन रहा है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बनाएंगे। जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात हो सकती है। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा है। उन्हें पेंटिंग गिफ्ट करने से रिश्ते मधुर रहेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी मित्र से कॉल पर बात होगी, पुरानी यादें ताजा हो जाएगी। इस राशि के विवाहित पुरुष आज जीवनसाथी को साड़ी गिफ्ट करें तो रिश्ते में और मधुरता आयेगी। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लवमेट के साथ बाहर डिनर पर जा सकते हो। राजनीतिक से जुड़े लोगों का आज मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। पड़ोसी जिनसे पहले अनबन हुई थी वो आज सब भुलाकर दोस्ती का हांथ बढ़ाएंगे। आज आपका स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। एग्जाम से संबंधित शुभ समाचार मिल सकता हैं। घर से बाहर जाते समय जेब में काली मिर्च के सात दाने जरूर रखें, फायदा होना तय है। आप आज जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे, जिससे समाज में आपकी अच्छी छवि बनेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज ऑफिस का वर्क लोड ज्यादा हो सकता है, जितनी सहजता से करेंगे उतनी ही जल्दी काम पूरा होगा। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन धन लाभ देने वाला है। आज थोड़ी मेहनत से किसी बड़े फायदे का योग बन सकता है। जीवनसाथी की मदद से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। आज किसी रिश्तेदार की शादी में जा सकते हैं।

कन्या राशिः आज का दिन नयी खुशियां लेकर आया है। आप अपने मित्र के साथ बाहर जा सकते है, जहां किसी दूर के रिश्तेदार से आपकी मुलाकात होगी। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा है। साथ में किसी मंदिर दर्शन के लिए जायेंगे। परिवार के साथ डिनर बाहर करने का प्लान बनायेंगे। इंजीनियरिंग के स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। ऑफिस में आज बॉस अधूरे कार्यों को देखकर आपकी क्लास लगा सकते हैं। बेहतर होगा कि अपना काम समय से पूरा कर लें। इस राशि के राजनीतिक से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, दोनों के रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। इस राशि के फैब्रिकैटर के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपकी अधूरी इच्छाएं पूरी होगी। लवमेट के साथ शादी फिक्स होने के योग बन रहे है। दोस्तों के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बन सकता है। बिजनेस के सिलसिले में आपका बाहर जाने का प्लान बनेगा। आपका रुका काम आसानी से पूरा हो जाएगा। साथ ही घर में लोगों का आना जाना रहेगा।

धनु राशिः आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज सोचा हुआ काम पूरा हो जाएगा। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब का ऑफर आयेगा। साइंस से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर होगा। सरकारी नौकरी वालों के लिए आज के दिन प्रमोशन हो सकता है।

मकर राशिः आज का दिन बाहर घूमने-फिरने में बीतेगा। परिवारवालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं दूर ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा होने वाला है। आज किसी बड़ी पार्टी से बुकिंग का ऑर्डर मिल सकता है। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत रहेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। लवमेट के साथ बाहर घूमने का प्लान बन सकता है। बिना वजह घर के किसी सदस्य पर गुस्सा न करें। आज आप अपना पैसा किसी धार्मिक काम में लगाएंगे, तो आपको मन शांत रहेगा। इस राशि के लोग आज घर से बाहर निकलने से पहले घर में किसी कन्या का आशीर्वाद लेकर निकलें तो निश्चित लाभ की प्राप्ति होगी।

मीन राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी बात को लेकर ज्यादा सोच विचार करने से बचे। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छाएं आयेंगी। इस राशि वाले छात्रों के लिए फार्म भरने संबंधी कार्य के लिए आज का दिन शुभ है। परिवार वालों के साथ शाम के समय किसी मॉल में शापिंग करने के लिए जायेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार: आईपीएल 2026 की सबसे वायरल तस्वीर

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सबसे यादगार पलों में से एक तब सामने आया जब भारत के तीन आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन खिलाड़ी एक साथ एक ही फ्रेम में नज़र आए। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ सूर्यकुमार यादव की एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच ख़ुशी की लहर दौड़ गई। यह तस्वीर चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच शनिवार शाम होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले चेपॉक में दोस्ती और सम्मान की एक अनोखी झलक दिखाती है। इस ख़ास पल को मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, "ग्रुप डीपी मिल गया। बस ग्रुप का नाम सजेस्ट करो।" इस पोस्ट

ने तुरंत प्रशंसकों का ध्यान खींचा और कमेंट्स की बाढ़ आ गई, जहाँ हर कोई इन तीनों क्रिकेट दिग्गजों को एक साथ देखकर उत्साहित था। यह तस्वीर ऐसे समय में सामने आई है जब चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस दोनों ही टीमें आईपीएल 2026 में अपनी उम्मीदें बरकरार रखने के लिए करो या मरो के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। लीग की ये दो सबसे सफल टीमें इस सीज़न लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही हैं, और प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों ही टीमें जीत के लिए बेताब हैं। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके अपने घरेलू मैदान चेपॉक पर भी इस सीज़न अस्थिर नज़र आई है। उनकी मिडिल ऑर्डर कमजोर रही है, वहीं गेंदबाज़ दबाव में मैच खत्म करने में नाकाम रहे हैं। पिछली बार जब दोनों टीमें वानखेड़े में भिड़ी थीं, तब संजू सैमसन के शतक की बदौलत सीएसके ने 103 रन से शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार मुंबई इंडियंस बदला लेने के इरादे से उतरेगी। सीएसके फिलहाल आठ मैचों में तीन जीत के साथ छठे स्थान पर है और टीम को अपने अनुभवी खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी की पिंडली की चोट के कारण गैरमौजूदगी का भी सामना करना पड़ रहा है। वहीं मुंबई इंडियंस का सफ़र भी कुछ ऐसा ही रहा है। टॉप ऑर्डर की अच्छी शुरुआत के बावजूद, उनकी कमजोर मिडिल ऑर्डर और अनियमित गेंदबाजी ने उन्हें कई अहम मैचों में हार दिलाई है, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकामी भी शामिल है। नौवें स्थान पर काबिज़ मुंबई इंडियंस के लिए राह और भी मुश्किल है। प्लेऑफ़ की उम्मीदें ज़िंदा रखने के लिए उन्हें बाकी सभी मैच जीतने होंगे, जिससे यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इस रोमांचक मुकाबले से पहले तीनों दिग्गजों की यह तस्वीर क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक सुखद अनुभव लेकर आई है, जो खेल की प्रतिस्पर्धा के बीच भी सम्मान और दोस्ती की मिसाल पेश करती है।

रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की मैदान पर दोस्ताना बल्लेबाज़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग में अक्सर अपनी-अपनी टीमों की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, और ऐसे में वे अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती-मज़ाक करने का मौका तलाशते रहते हैं। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब रवींद्र जडेजा ने कुलदीप यादव के सामने अपना बल्ला चलाकर उनको डरा दिया, हालांकि यह महज़ एक दोस्ताना मज़ाक था जिसने मैदान पर एक हल्का-फुल्का माहौल बना दिया। यह घटना तब हुई जब दिल्ली के खिलाफ

जडेजा मैदान में आए। अंपायरों ने उनके बल्ले की जांच की, जो आईपीएल के हर मैच से पहले की एक सामान्य प्रक्रिया है। बल्ले की जांच से पहले, जडेजा ने कुलदीप यादव की तरफ़ इशारा करते हुए तेज़ी से बल्ला चलाया, इसे देखकर ऐसा लगा मानो गेंदबाज़ बाल-बाल बचे हों। हालांकि, वीडियो क्लिप देखने से यह स्पष्ट था कि जडेजा और कुलदीप के बल्ले के बीच काफ़ी दूरी थी और यह केवल एक शरारती इशारा था। इस घटना के तुरंत बाद, कुलदीप यादव ने मुस्कुराते हुए जडेजा के पास जाकर उनको हल्का धक्का दिया और दोनों खिलाड़ियों को आपस में बातें करते और मुस्कुराते हुए देखा गया। इसने मैदान पर एक खुशनुमा माहौल बना दिया, और अधिकारियों के अपने काम में व्यस्त रहने के बावजूद, कुछ देर के लिए सभी का ध्यान इन दोनों खिलाड़ियों की दोस्ताना बातचीत पर चला गया। इस घटना ने एक बार फिर दिखाया कि आईपीएल में अलग-अलग टीमों की ओर से खेलने के बावजूद खिलाड़ियों के बीच मज़बूत रिश्ते और गहरी दोस्ती बनी रहती है। दोनों की बातचीत से यह भी साफ़ हुआ कि वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, चाहे वे एक-दूसरे के खिलाफ ही क्यों न खेल रहे हों। फैंस के लिए यह एक और याद दिलाने वाला पल था कि क्रिकेट सिर्फ़ प्रतिस्पर्धा और नतीजों का खेल नहीं है, बल्कि दोस्ती और खेल भावना भी इसे ख़ास बनाती है।

आईपीएल 2026: जॉश इंग्लिस मुंबई पहुंचे, 4 मई को एलएसजी के लिए खेल सकते हैं

एजेंसी, मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बीच जॉश इंग्लिस को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर-बल्लेबाज़ इंग्लिस भारत पहुंच चुके हैं और मुंबई में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ जुड़ गए हैं। वह 4 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मुकाबले के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लिस की उपलब्धता को लेकर पहले काफी विवाद हुआ था। उन्होंने इस सीज़न में सीमित उपलब्धता का हवाला देते हुए पंजाब किंग्स

द्वारा रिटेंशन को ठुकरा दिया था, जिस पर टीम के एक सह-मालिक ने उन्हें गैर-पेशेवर तक बता दिया था। पिछले सीज़न में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले इंग्लिस को इस बार एलएसजी ने 8.6 करोड़ रुपये में खरीदा। 31 वर्षीय इंग्लिस का रिकॉर्ड मुंबई के स्टार गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह के खिलाफ शानदार रहा है। उन्होंने बुमराह के खिलाफ दो मैचों में 34 गेंदों पर 52 रन बनाए हैं। खासकर आईपीएल 2025 के क्वालिफायर-2 में उन्होंने एक ही ओवर में 20 रन जड़कर मैच का रुख बदल दिया था। एलएसजी के लिए इंग्लिस की एंट्री ऐसे समय में हुई है, जब टीम अंक तालिका में निचले पायदान पर संघर्ष कर रही है। टीम ने अब तक 8 मैचों में सिर्फ 2 जीत दर्ज की हैं, जबकि उनका मुकाबला भी समान स्थिति में खड़ी मुंबई इंडियंस से होगा। इंग्लिस शनिवार शाम वानखेड़े स्टेडियम में टीम के साथ अभ्यास करेंगे।

टेपे सिगेमन शतरंज 2026: अर्जुन एरिगैसी ने दुनिया के नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी, माल्मो (स्वीडन)। टेपे सिगेमन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट के 31वें संस्करण में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार शुरुआत करते हुए दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पहले दौर में ड्रॉ पर रोक दिया। मैच के दौरान कार्लसन ने क्वीन साइड पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अर्जुन ने सटीक बचाव करते हुए 24...b6 ! चाल चलकर पास्ड प्यादे के खतरे को खत्म कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपने घोड़े को सक्रिय करते हुए स्थिति को सरल बनाया। रूक के आदान-प्रदान के बाद सफेद मोहरों के पास जीत का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं बचा और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अर्जुन एरिगैसी के लिए 2026 की शुरुआत कुछ खास नहीं रही थी। वह टाटा स्टील मास्टर्स में 13वें और फीडे फ्रीस्टाइल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे, जिसे कार्लसन ने जीता था। यह टूर्नामेंट क्लासिकल शतरंज के सबसे मजबूत आयोजनों में से एक माना जाता है। इसमें 2024 के विजेता नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, 2021 के चैंपियन जोर्डन वान फोरेस्ट और स्वीडन के नंबर-1 खिलाड़ी निल्स ग्रैंडेलियस जैसे दिग्गज खिलाड़ी खिताब के लिए मुकाबला कर रहे हैं। अर्जुन का यह ड्रॉ उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि उन्होंने दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया।

केएल राहुल बने आईपीएल के नए सिक्सर किंग

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल ने आईपीएल में उस समय इतिहास रचा जब उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली गई अपनी 75 रनों की मैच जिताऊ पारी के दौरान 5 गगनचुंबी छक्के लगाए। इन 5 छक्कों के साथ केएल राहुल आईपीएल इतिहास में बतौर भारतीय ओपनर 200 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिससे उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली और मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ों को भी पीछे

छोड़ दिया है। केएल राहुल और विराट कोहली के बीच बतौर ओपनर छक्कों की यह रेस आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही चल रही थी, मगर राहुल ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में शानदार प्रदर्शन कर अब इस रेस में निर्णायक बढ़त बना ली है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, केएल राहुल ने 40 गेंदों पर 75 रनों की धुआँधार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान राहुल ने 6 चौके और 5 गगनचुंबी छक्के लगाए, जिसका मतलब है कि उन्होंने अपनी पारी के 50 प्रतिशत से अधिक रन सिर्फ़ चौके और छक्कों से बनाए। इन 5 छक्कों के साथ, केएल राहुल के नाम आईपीएल इतिहास में बतौर ओपनर कुल 201 छक्के हो गए हैं। वहीं, विराट कोहली 192 छक्कों के साथ दूसरे पायदान पर हैं, जो अब राहुल से 9 छक्के पीछे हो गए हैं।

बिजनेस

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 15 जून से शुरू होंगी वाणिज्यिक उड़ानें, इंडिगो की फ्लाइट भरेगी पहली उड़ान

एजेंसी, नई दिल्ली/नोएडा

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा (एनआईए) 15 जून से यात्रियों के लिए खुल जाएगा। एयरपोर्ट प्रशासन ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की है। पहले चरण में ये एयरपोर्ट 1.2 करोड़ यात्रियों को सेवा देगा, जिसे आगे चलकर 7 करोड़ तक ले जाने की योजना है।

एनआईए की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि 15 जून को वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन यहां से शुरू होगा। पहली कमर्शियल फ्लाइट इंडिगो द्वारा संचालित की जाएगी। इसके बाद अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। कंपनी ने बताया कि उड़ानों के समय, गंतव्य और यात्री सुविधाओं से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी। एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम (एएसपी) की मंजूरी मिलने के बाद यह कदम उठाया गया है। इस मंजूरी से यह पुष्टि होती है कि एयरपोर्ट की

सुरक्षा प्रणाली, ढांचा और परिचालन प्रक्रियाएं वाणिज्यिक सेवाएं शुरू करने से पहले नियामकीय मानकों के अनुरूप हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए विकसित इस एयरपोर्ट में आधुनिक टर्मिनल, बुनियादी ढांचा और कुशल परिचालन की व्यवस्था की गई है। इस हवाई अड्डे का उद्देश्य यात्रियों को निर्बाध अनुभव प्रदान करना है। इसके साथ ही एयरलाइन कंपनियों को लागत-कुशल और भरोसेमंद परिचालन सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अधिकारियों के अनुसार वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक वृद्धि, व्यापार, पर्यटन तथा निवेश को समर्थन मिलेगा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को प्रमुख घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जोड़ेगा। वर्तमान में यहां एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल है, जिसकी वार्षिक क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों की है, चरणबद्ध तरीके से इसकी क्षमता बढ़ाकर सात करोड़ से अधिक यात्रियों तक पहुंचाने की योजना है।

बैंक के पास 2,000 रुपये के 98.47 फीसदी नोट आए वापस: आरबीआई

एजेंसी, नई दिल्ली, मंबई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि चलन में रहे दो हजार रुपये मूल्य के 98.47 फीसदी नोट बैंक में वापस आ चुके हैं। हालांकि केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये मूल्य के बैंक नोट अभी भी वैध मुद्रा बने हुए हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये मूल्य के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। रिजर्व बैंक के मुताबिक 19 मई, 2023 को जब इस नोट को वापस लेने की घोषणा की गई थी, उस समय चलन में दो हजार रुपये के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल, 2026 को घटकर 5,451 करोड़ रुपये रह गया है। केंद्रीय बैंक ने जारी एक बयान में कहा, "इस प्रकार 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2,000 रुपये मूल्य के 98.47 फीसदी नोट वापस आ चुके हैं।" बैंक ने बताया कि 19 मई, 2023 से उसके 19 निर्गम कार्यालयों में 2,000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से इन कार्यालयों में व्यक्ति और संस्थाएं अपने बैंक खातों में जमा के लिए भी ये नोट दे सकते हैं।

टीवीएस मोटर की अप्रैल में कुल बिक्री 7 फीसदी बढ़कर 4,73,970 इकाई

एजेंसी, नई दिल्ली

देश एवं दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मोटरसाइकिल विनिर्माता कंपनी टीवीएस मोटर की अप्रैल में कुल बिक्री सात फीसदी बढ़कर 4,73,970 इकाई रही, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 4,43,716 इकाई रही थी। कंपनी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि दोपहिया वाहनों की बिक्री छह फीसदी बढ़कर 4,55,333 इकाई रही, जो अप्रैल 2025 में 4,30,150 इकाई रही थी। वहीं, घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री आठ फीसदी बढ़कर 3,48,545 इकाई रही, जबकि पिछले वर्ष यह 3,23,647 इकाई रही थी।

टीवीएस मोटर के अनुसार अप्रैल में मोटरसाइकिल बिक्री घटकर 2,00,039 इकाई रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 2,20,347 इकाई रही थी। वहीं, स्कूटर बिक्री 24 फीसदी बढ़कर 2,11,158 इकाई हो गई, जो एक वर्ष पहले 1,69,741 इकाई रही थी। कंपनी के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 36 फीसदी की वृद्धि दर्ज

की गई और यह 37,771 इकाई रही, जबकि पिछले वर्ष यह 27,684 इकाई रही थी। इस दौरान तीन-पहिया वाहनों की बिक्री 37 फीसदी बढ़कर 18,637 इकाई रही, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 13,566 इकाई रही थी। कंपनी ने बताया कि उसका कुल अंतरराष्ट्रीय कारोबार 3 फीसदी बढ़कर 1,20,008 इकाई रहा है, जो अप्रैल 2025 में 1,16,700 इकाई रहा था। टीवीएस मोटर भारत में दोपहिया वाहनों की तीसरी सबसे बड़ी निर्माता कंपनी है। कंपनी की वैश्विक स्तर पर उपस्थिति है, जिसमें मध्य पूर्व, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया, भारतीय उपमहाद्वीप, लैटिन और मध्य अमेरिका जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

निसान मोटर इंडिया की अप्रैल में कुल बिक्री 5,388 इकाई

एजेंसी, नई दिल्ली

निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की अप्रैल महीने में कुल बिक्री 5,388 इकाई रही। इसमें घरेलू बाजार की 3,203 इकाई और निर्यात के माध्यम से 2,185 इकाई शामिल है। कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि निसान मोटर इंडिया ने अप्रैल में 5,388 इकाइयों की कुल बिक्री दर्ज की है, जो कंपनी के लिए सकारात्मक शुरुआत है। इसमें घरेलू बाजार और निर्यात दोनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। निशान ने कहा कि इस कुल बिक्री में भारतीय बाजार का बड़ा योगदान रहा, जहां घरेलू ग्राहकों ने 3,203 गाड़ियां खरीदीं, जबकि बाकी की 2,185

गाड़ियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात की गईं। इस प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि नए साल की यह शुरुआत बेहद उत्साहजनक है। इससे भारतीय बाजार में कंपनी का भरोसा और मजबूत हुआ है। सौरभ वत्स ने कहा कि निसान इसी वित्तीय वर्ष के भीतर देशभर में अपने नेटवर्क का विस्तार करने और कई नए प्रोडक्ट्स लॉन्च करने की पूरी तैयारी कर चुका है। सौरभ वत्स ने कहा, 'नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत से हम उत्साहित हैं। नई निसान मैग्नाइट की सफलता के साथ ऑल न्यू निसान ग्रेवाइट को ग्राहकों की ओर से मिली शानदार प्रतिक्रिया ने ऐसे प्रोडक्ट्स देने की हमारी रणनीति को मजबूत किया है, जो भारतीय ग्राहकों की बदलती उम्मीदों के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि आगे भी निसान मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले इनोवेशन को गति देने, नेटवर्क फुटप्रिंट बढ़ाने और प्रमुख बाजारों में कवरेज को मजबूत करने पर फोकस करती रहेगी।

भारत और तंजानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 9 अरब डॉलर के पार

एजेंसी, नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत और तंजानिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 9 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते आर्थिक संबंधों को दर्शाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि तंजानिया के दार एस सलाम में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और सशक्त बनाने के लिए भारत-तंजानिया की दो दिन की संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का पांचवां सत्र 29-30 अप्रैल को संपन्न हुआ। इस सत्र में अगस्त 2017 में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित पिछले सत्र के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्रालय ने कहा कि भारत-तंजानिया ने इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग के विस्तार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच व्यापार 9 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। इस बैठक के दौरान दोनों पक्ष का आर्थिक साझेदारी को और गहरा करने पर जोर रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि भारत-तंजानिया संयुक्त व्यापार समिति का 5वां सत्र 29-30 अप्रैल को तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित किया गया। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और संयुक्त गणराज्य तंजानिया के विदेश मामलों एवं पूर्वी अफ्रीकी सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव राजदूत डॉ. सैमुअल विलियम शेलुकिंडो ने की।

मंडाविया आज कर्नाटक में 100 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का करेंगे उद्घाटन

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया 3 मई को कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर में नवनिर्मित 100 बिस्तरों वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। साथ ही वह बेल्लारी में 100 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल की वर्चुअली आधारशिला रखेंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर डॉ. मंडाविया मंडाविया उन निर्माण श्रमिकों को सम्मानित करेंगे, जिन्होंने अस्पताल के विकास में योगदान दिया है। इस कार्यक्रम के दौरान वे ईएसआई लाभार्थियों को नकद लाभ भी वितरित करेंगे। कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर में 100 बिस्तरों

वाला यह अस्पताल 1,42,037 से अधिक बीमित श्रमिकों और उनके परिवारों को सेवाएं देगा, जिससे बेंगलुरु ग्रामीण, चिक्काबल्लापुर, तुमकुरु और कोलार जिलों में लगभग 5.50 लाख लाभार्थियों को फायदा होगा। इसके अलावा बेल्लारी अस्पताल पूरा होने पर लगभग 64 हजार श्रमिकों और उनके परिवारों की चिकित्सा आवश्यकता पूरा होगी, जिससे बेल्लारी संभाग में 2 लाख से अधिक लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण स्थित डोड्डाबल्लापुर में स्थित ईएसआईसी का अस्पताल 100 बिस्तरों वाला एक मल्टी-स्पेशियलिटी सेकेंडरी केयर सेंटर है, जिसे 5 एकड़ जमीन पर 101.14 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसमें 32 स्टाफ क्वार्टर हैं और यहां जनरल मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग, आपातकालीन देखभाल जैसी मुख्य सेवाएं मिलेंगी। साथ ही इसमें रेडियोलॉजी, प्रयोगशाला और ब्लड बैंक जैसी व्यापक डायग्नोस्टिक सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

टॉक्सिक फिर हुई पोस्टपोन, अब 4 जून को रिलीज नहीं होगी यश की फिल्म

ग्लोबल प्लान के साथ जल्द होगा नई डेट का एलान

साउथ सुपरस्टार यश की मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक एक बार फिर पोस्टपोन हो गई है. फिल्म पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होनी थी, लेकिन इसकी रिलीज डेट को आगे खिसकाकर 4 जून 2026 किया गया था. फिल्म टॉक्सिक को लेकर मेकर्स ने नया पोस्ट जारी किया है. इसमें बताया है कि फिल्म की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया गया है. अब फिल्म कब रिलीज होगी. मेकर्स इसका बहुत जल्द ऐलान करेंगे. फिल्म टॉक्सिक क्यों पोस्टपोन हुई है, इसका कारण मेकर्स ने एक लंबे चौड़े पोस्ट में बताया है.

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर लिखा है, कुछ फिल्में हम बनाते हैं, और कुछ फिल्में हमें याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ. टॉक्सिक ऐसी ही एक यात्रा रही है. सिनेमार्कॉन में अपनी फिल्म का प्रदर्शन करना और वैश्विक स्तर पर मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया ने हमारे उस विश्वास को और पुख्ता कर दिया है जो हम हमेशा से मानते आए हैं कि यह फिल्म विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने की हकदार है.

उन्होंने आगे लिखा है, टॉक्सिक पूरी हो चुकी है, और हम वर्तमान में वैश्विक वितरण और साझेदारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने अपनी रिलीज की तारीख में बदलाव करने का निर्णय लिया है. हालांकि हम पहले घोषित 4 जून को फिल्म रिलीज नहीं करेंगे, बल्कि बाद में वैश्विक स्तर पर तय तारीख पर रिलीज करेंगे. टॉक्सिक जल्द ही दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मेकर्स आगे लिखते हैं, ऐसे समय में जब भारतीय सिनेमा अपनी पहचान बना रहा है और वैश्विक मंच पर इतनी उम्मीदों के साथ कदम रख रहा है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम स्तर को ऊंचा उठाएं. एक अभिनेता-निर्माता के रूप में, मैं इस पल को भारतीय फिल्म उद्योग और हम सभी के लिए अपना योगदान देने के अवसर के रूप में देखता हूं, और यह सुनिश्चित करने के लिए समय निकालता हूं कि हमारी फिल्म दुनिया तक उस प्रभाव के साथ पहुंचे जो इसे डालना चाहिए.

हर कदम और हर बदलाव में आपका समर्थन मेरे साथ बना रहा है, और मैं इसके लिए अत्यंत आभारी हूं. कुछ कहानियों में धैर्य की आवश्यकता होती है. कुछ यात्राओं में इसकी मांग होती है. हम आपको एक ऐसी फिल्म देने का वादा करते हैं जिसका आप आनंद लेंगे और जश्न मनाएंगे. एक ऐसी फिल्म जो भारतीय सिनेमा के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण साबित होगी.

बता दें, टॉक्सिक में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और रुक्मिनी वसंत अहम रोल में नजर आने वाली हैं. टॉक्सिक का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है.

आखिरी सवाल के ट्रेलर की रिलीज डेट से हटा पर्दा, आज दिखेगी संजय दत्त की फिल्म की पहली बड़ी झलक

संजय दत्त स्टारर आखिरी सवाल बहुत ही कम समय में सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है और दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से राह देख रहे हैं. फिल्म की घोषणा के बाद से ही काफी चर्चा थी और फिर मेकर्स ने हनुमान जयंती पर इसका टीजर रिलीज किया, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े स्वैच्छिक संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास की ऐसी झलक दिखाई गई जो पहले कभी नहीं देखी गई थी. अब, मेकर्स इसके मच-अवेटेड ट्रेलर के लिए तैयार हैं, जो आज 30 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाला है. मेकर्स ने आधिकारिक तौर पर आखिरी सवाल के ट्रेलर लॉन्च का एलान कर दिया है. इसका ट्रेलर आज 30 अप्रैल 2026 को एक ग्रैंड इवेंट में पूरी कास्ट और क्रू की मौजूदगी में लॉन्च किया जाएगा. आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है. निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं. फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. आजकल, जहां भारतीय सिनेमा में ज्यादातर मसालेदार और कमर्शियल फिल्में ही बन रही हैं, वहीं निखिल नंदा ने कुछ अलग करने का साहस किया है. आखिरी सवाल के जरिए उन्होंने देश के इतिहास के उन पन्नों को छुआ है, जिन पर कम ही बात होती है. बाबरी मस्जिद का गिरना, महात्मा गांधी की हत्या और इमरजेंसी जैसे मुद्दों को बेबाकी से सामने लाकर निखिल नंदा ने सबको हैरान कर दिया है. मेनस्ट्रीम सिनेमा में इन विषयों पर बहुत कम फिल्में बनी हैं, लेकिन निखिल नंदा के साहस की वजह से ये बातें अब लोगों के सामने आ रही हैं. इससे दर्शकों को देश के अतीत के इन अहम हिस्सों को समझने और उन पर गौर करने का मौका मिलेगा. आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है. निखिल नंदा द्वारा पेश की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं. फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं. यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

धुरंधर 2 ने 41वें दिन भी मचाया धमाल, कमा डाले इतने करोड़

आदित्य धर द्वारा निर्देशित रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधरः द रिवेंज या धुरंधर 2 रिलीज के 40 दिन पूरे होने के बाद भी सिनेमाघरों में दर्शकों को खींच रही है. यहां तक कि अक्षय कुमार की भूत बंगला और जाफर जैक्सन की माइकल जैसी फिल्मों से कड़ी टक्कर के बावजूद, ये स्पाई थ्रिलर फिल्म बॉक्स ऑफिस से टस से मस होने को तैयार नहीं है और छठे हफ्ते में भी अच्छी कमाई कर रही है. चलिए यहां जानते हैं धुरंधर 2 ने रिलीज के 41वें दिन यानी छठे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? आदित्य धर की इस फिल्म ने 41वें दिन सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक देश भर में 2925 शो में 1.35 करोड़ रुपये कमाए. इसके साथ ही, फिल्म का कुल ग्रॉस भारतीय कलेक्शन 1356.07 करोड़ रुपये हो गया है. जबकि फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 1132.99 करोड़ रुपये है. वहीं 41वें दिन धुरंधर 2 ने सैकनिल्क के मुताबिक विदेशों में 0.25 करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसका कुल विदेशी कलेक्शन 424.75 करोड़ रुपये हो गया. इसके साथ ही, इस स्पाई थ्रिलर का वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब 1780 करोड़ रुपये हो गया है.

अगर यही ट्रेंड जारी रहता है, तो रणवीर सिंह की ये फिल्म एसएस राजामौली की बाहुबली 2: द कंक्लूजन के 1788.06 करोड़ रुपये के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को तोड़ सकती है. अगर आदित्य धर की फिल्म यह आंकड़ा पार कर लेती है, तो यह आमिर खान की दंगल के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन जाएगी. आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म रणवीर सिंह के किरदार जसकिरत सिंह रंगी की हमजा अली मजारी बनने की कहानी दिखाती हैय फिल्म में संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, राकेश बेदी, आर माधवन और सारा अर्जुन भी हैंय यह फिल्म 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, जबकि 18 मार्च, 2026 को इसके पेड प्रीव्यू शो रखे गए थे.

भूत बंगला के 100 करोड़ी बनने पर खुशी से झूमीं वामिका गब्बी

वामिका गब्बी की हॉरर कॉमेडी भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई है. उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और एक न्यू एक्ट्रेस के लिए इससे बड़ी खबर और कोई नहीं हो सकती. अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के इस रीयूनियन प्रोजेक्ट ने अपने दूसरे सोमवार तक यह मील का पत्थर हासिल कर लिया, जिसके बाद वामिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जाकर एक प्यारा सा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने फैंस और भूत बंगला की टीम को धन्यवाद दिया.

वामिका ने इंस्टाग्राम पर भूत बंगला के सेट से कास्ट और क्रू के साथ बीटीएस तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की, और फिल्म की सफलता का जश्न मनाया. इस सीरीज को एक उन्होंने एक प्यारे से नोट के साथ जोड़ा, जिसमें उन्होंने डायरेक्टर, एक्टर समेत पूरी टीम का शुक्रियाअदा किया.

वामिका ने अपनी खुशी की असल वजह बताते हुए नोट की शुरुआत में लिखा है, मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म. प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर और पूरी कास्ट और क्रू की आभारी हूं. यह शब्दों से परे है. इन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दे दिया. भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है.

दर्शकों का शुक्रियाअदा करते हुए एक्ट्रेस ने आगे लिखा है, इसे देखने, इसे महसूस करने, और धीरे-धीरे इसके लिए... और मेरे लिए जगह बनाने के लिए दर्शकों का धन्यवाद. यहां का हर कदम कमाया हुआ, सीखा हुआ और दिल से महसूस किया हुआ है. यह तो बस शुरुआत है. मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी, हमेशा. भूत बंगला के कलेक्शन के बारे में बात करें तो यह फिल्म 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है.

मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, भूत बंगला ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 197.95 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. जल्द ही यह 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी.

वामिका ने अपने करियर की शुरुआत टीनएजर के तौर पर इम्तियाज अली की फिल्म जब वी मेट से की थी, जिसमें उन्होंने करीना कपूर की कजिन का किरदार निभाया था. लव आज कल और मौसम जैसी फिल्मों में छोटे-मोटे रोल करने के बाद, उन्हें 2013 में आई फिल्म सिक्सटीन में अपना पहला लीड रोल मिला. इसके बाद उन्होंने पंजाबी, तमिल और मलयालम सिनेमा में अपनी पहचान बनाई. आज वह हिंदी सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस बन चुकी हैं.

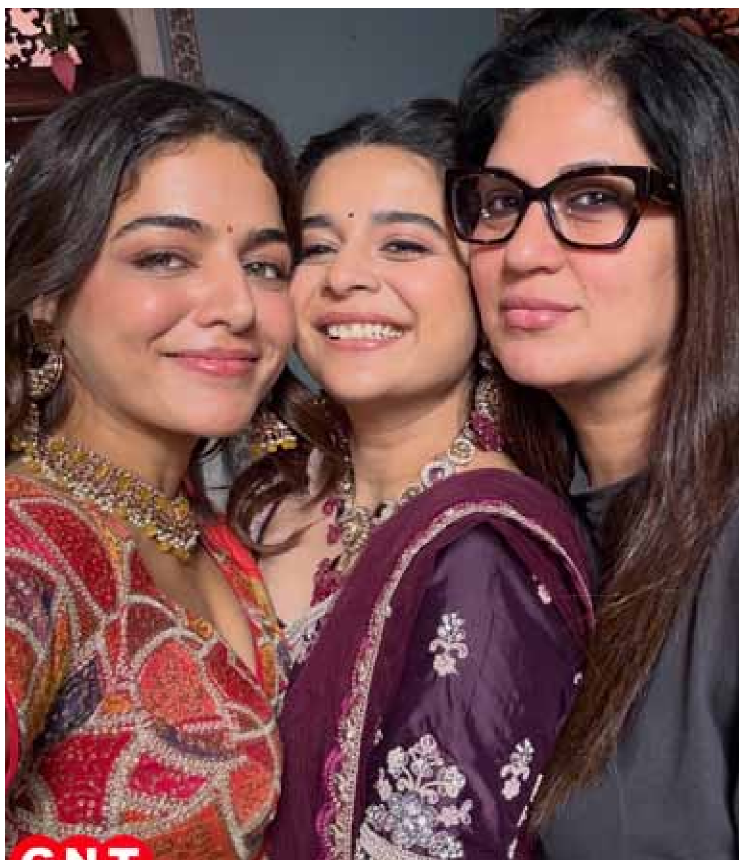

12वें दिन भी चला भूत बंगला का जादू करोड़ों में हुई कमाई

अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी भूत बंगला भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. रिलीज के दूसरे वीकेंड पर धमाकेदार कमाई करने के बाद अब वीकडेज में भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. वहीं दूसरे मंगलवार को तो इसकी कमाई में तेजी भी देखी गई. चलिए यहां जानते हैं भूत बंगला ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? अक्षय कुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी भूत बंगला भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्म कर रही है. रिलीज के दूसरे वीकेंड पर धमाकेदार कमाई करने के बाद अब वीकडेज में भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं. वहीं दूसरे मंगलवार को तो इसकी कमाई में तेजी भी देखी गई. चलिए यहां जानते हैं भूत बंगला ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो भूत बंगला ने दूसरे मंगलवार यानी 12वें दिन 4.35 करोड़ कमाए हैं. वहीं 11वें दिन फिल्म ने 3.65 करोड़, 10वें दिन 12.50 करोड़, 9वें दिन 10.75 करोड़ और 8वें दिन 5.75 करोड़ कमाए थे. फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 84.40 करोड़ रुपये रहा था. इसी के साथ भूत बंगला के 12 दिनों का कुल कलेक्शन अब 121.40 करोड़ रुपये हो गया है. स्त्री को मात देने से इंचभर दूर है भूत बंगला अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर ये फिल्म अब राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री (129.67 करोड़) की लाइफटाइम कमाई को पीछे छोड़ने से चंद कदम दूर है. ऐसा करने के बाद ये बॉलीवुड की 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म बन जाएगी. इसने मुंज्या के 108 करोड़ के लाफटाइम कलेक्शन को मात दे दी है. प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं. फिल्म में वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, जिस्सू सेनगुप्ता, मिथिला पालकर, राजेश शर्मा और दिवंगत असरानी भी हैंय कई बार देरी के बाद यह कॉमेडी फिल्म 17 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इससे एक दिन पहले, 16 अप्रैल, 2026 को इसके पेड प्रीव्यू शो रखे गए थे.

केडीः द डेविल को रिलीज से एक दिन पहले राहत, सेंसर बोर्ड ने दिखाई हरी झंडी

ध्रूव सरजा और संजय दत्त की बहुचर्चित फिल्म केडीः द डेविल को लेकर बड़ा अपडेट आया है। फिल्म आज 30 अप्रैल को रिलीज हो रही है और एक दिन पहले केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने हरी झंडी दिखाई है। केवीएन प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस बात का ऐलान किया है। दरअसल निर्माताओं को सेंसर बोर्ड से प्रमाणपत्र न मिलने के कारण रुकावट का सामना करना पड़ रहा था। निर्माताओं ने केडीः द डेविल के प्रमाणन का ऐलान करते हुए लिखा, ए सर्टिफाइड। रॉ। बेरहम। असली। केडीः द डेविल रिलीज में बस 1 दिन बाकी। फिल्म को ए प्रमाणपत्र मिला है, जिसका मतलब है कि सिर्फ 18 साल से ज्यादा उम्र के लोग इसे देख सकेंगे। इससे पहले, निर्माताओं को प्रमाणपत्र न मिलने के कारण फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब से हटाना पड़ा था, क्योंकि उसमें कुछ ऐसे दृश्य शामिल थे जिन्हें प्रमाणित नहीं किया गया था। 1970 के दशक पर आधारित यह एक धमाकेदार पैन-इंडिया फिल्म है, जिसमें कन्नड़ अभिनेता ध्रुव की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। संजय भी इसका हिस्सा हैं। उनके अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, वी. रविचंद्रन, रमेश अरविंद, और रेश्मा नानाइया जैसे सितारे भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। यह दर्शकों को थ्रिल, जबरदस्त एक्शन दृश्य और रोमांचक सिनेमाई अनुभव प्रदान करने का वादा करती है।

'Everything will be alright':

Amit Shah meets Ladakh leaders, including Sonam Wangchuk, ahead of talks

Srinagar, Agency: Environmentalist and Leh Apex Body (LAB) member Sonam Wangchuk met Union home minister Amit Shah in Leh along with a clutch of other leaders from the Union territory late Thursday, with the interaction largely focused on Buddha and spirituality.

Shah was on a two-day Ladakh visit to attend an international exposition of Buddha's holy relics. He urged the leaders "to keep faith in Lord Buddha" and said "everything will be alright". "The meeting was called by the home minister. During the interaction, he said Ladakh-related issues would be discussed on May 22 in a (MHA) sub-committee meeting. He said his current visit is purely spiritual and that he is here to pay obeisance to Buddha relics," former Ladakh Autonomous Hill Development Council (LAHDC) chief executive Gyalson told Media. He was among those who met Shah. The others were LAB co-chairman Tsering Dorje Lakrook and Ladakh MP Mohmad Haneefa.

Gyalson said Shah asked them to approach the May 22 meeting with "an open mind" and a willingness to find a middle path.

PM Modi set to embark on Europe, Africa visits

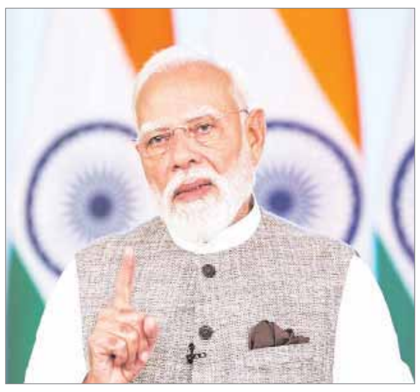

New Delhi, Agency: Prime Minister Narendra Modi is expected to embark on an intensive series of foreign visits beginning mid-May, with a strong focus on Europe, Africa and key multilateral engagements, reflecting New Delhi's renewed push to consolidate strategic and economic partnerships across regions, official sources said here on Friday.

According to multiple reports and diplomatic indications, Modi is likely to begin a multi-country Europe tour around May 18, which could include visits to Norway, the Netherlands and Italy, alongside participation in the India-Nordic Summit. The European leg is aimed at deepening trade, technology and security cooperation, particularly following the momentum generated by the India-EU trade agreement earlier this year.

A notable highlight of the tour could be a stop in Vatican City, where Modi is expected to meet Pope Francis -- a symbolic outreach that underscores India's engagement with global religious leadership and soft diplomacy.

Beyond Europe, the Prime Minister is also expected to travel to Kenya to attend the Africa Forward Summit in Nairobi, signalling India's continued emphasis on the Global South and its expanding footprint in Africa.

Sources indicate that a visit to the UAE, rather a brief stopover, is also on the cards during May, reflecting the strategic importance of West Asia in India's foreign policy calculus, particularly in energy security and diaspora engagement. The flurry of diplomatic activity is expected to continue into June, when Modi is likely to attend the G7 Summit in Évian-les-Bains, marking India's continued engagement with major advanced economies despite not being a member of the grouping.

Further ahead, tentative plans include visits to New Zealand and Australia in July, as well as participation in key multilateral platforms such as the Shanghai Cooperation Organisation (SCO) Summit and the East Asia Summit later in the year.

Applications for OCI cards can be now made online

New Delhi, Agency: The Union home ministry on Thursday notified an amendment to the Citizenship Act allowing online application for Overseas Citizen of India (OCI) cards. The digital application will be for both inclusion and renunciation. All applications will be submitted electronically through the portal https://ociservices.gov.in. The amended rule also provides for inclusion of minors as OCI but "the minor cannot at any time hold passport of any other country while also holding Indian passport". "An application for registration as an OCI cardholder under section 7A shall be made in Form XXVIII electronically on the designated online portal," according to a gazette notification. There will not be any requirement to provide duplicate certificates as in the past.

Those registered as OCI shall be issued OCI card in physical form or an electronic e-OCI registration containing details. The authority will maintain a record of persons registered as OCI in electronic form.

India continues to be on US priority watch list on IPR

New Delhi, Agency: USTR has retained India on its Special 301 priority watch list, along with five other countries including China, and said it will engage with New Delhi, including through Bilateral Trade Agreement negotiations. The annual report said India remained "inconsistent in its progress" on protection and enforcement of intellectual property (IP). Vietnam was identified as a Priority Foreign Country, marking the first time in 13 years that a country is listed in that category. Over the next 30 days, USTR will decide whether to initiate an investigation under Section 301 of the Trade Act of 1974 against Vietnam based on the grounds identified in the report.

Allahabad HC: No unilateral right over public land for religious gatherings

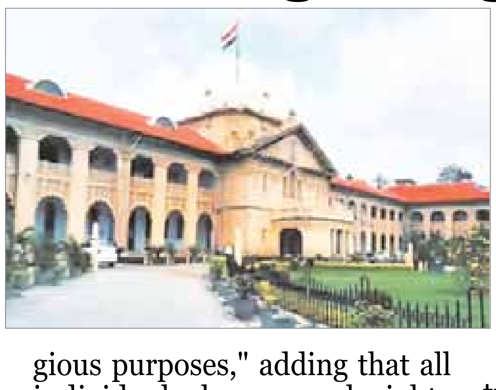

New Delhi, Agency: The Allahabad High Court ruled that public land cannot be claimed for exclusive religious use by any individual or group, holding that such activities, including offering Namaz, must remain subject to public order and the rights of others.

The observation was made by a Division Bench of Justice Saral Srivastava and Justice Garima Prasad while dismissing a petition filed by Asin, a resident of Ikauna under Gunnaur Tehsil in Sambhal district, who had sought relief in connection with the use of land for offering Namaz.

The Court clarified that "public land cannot be unilaterally used by any single party for religious purposes," adding that all individuals have equal rights over such property and its exclusive use is not legally permissible, reported Media.

Reiterating the broader legal position, the Bench stated that the "right to practice religion is subject to public order" and cannot be exercised in a way that infringes upon the rights of others. It further noted that religious freedom is not absolute and remains subject to the rights of others.

Referring to earlier rulings, including the Munazir Khan vs State of Uttar Pradesh and Others case, the Court noted that while bona fide religious practices within private premises are protected and cannot be subjected to arbitrary interference, such protection does not amount to "absolute carte blanche" for organised or regular collective religious activities. The Court further observed that when such activities extend beyond private boundaries and begin impacting the public domain, regulatory intervention by the State becomes permissible.

ED case count up, but 20-year conviction rate a dismal 2.33%

New Delhi, Agency: The Directorate of Enforcement (ED) has secured just 56 convictions out of 2,396 chargesheets filed over the past 20 years - from 2005-06 to 2025-26 - translating into a conviction rate of 2.33 per cent, according to its 2025-26 annual report released on Friday to mark its 70th year of inception.

However, at the same time, the number of cases recorded by the agency rose sharply by 39 per cent between 2024-25 and 2025-26. While 775 cases were recorded in 2024-25, the figure increased to 1,080 ECIRs in the just-concluded fiscal, according to ED's own data.

Two workers die as under-construction bridge collapses in Jammu

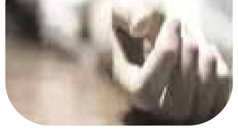

Jammu, Agency: Two workers died after a portion of an under-construction bridge in the Bantalab-Thathar area on the outskirts of Jammu collapsed Friday, prompting a massive rescue operation by multiple agencies, including Army, NDRF and SDRF.

A 55-year-old worker, Tarsem Lal, was rescued and admitted to Govt Medical College and Hospital in Jammu with injuries, while two bodies were pulled out from under the rubble by rescuers and at least one person was still feared trapped underneath. One of the deceased was identified as Panchu Sethi, 50, while the identity of the other was yet to be established. Sources said the structure caved in all of sudden, not giving the workers any time to run for safety.

Ecologists flag violations in Great Nicobar project

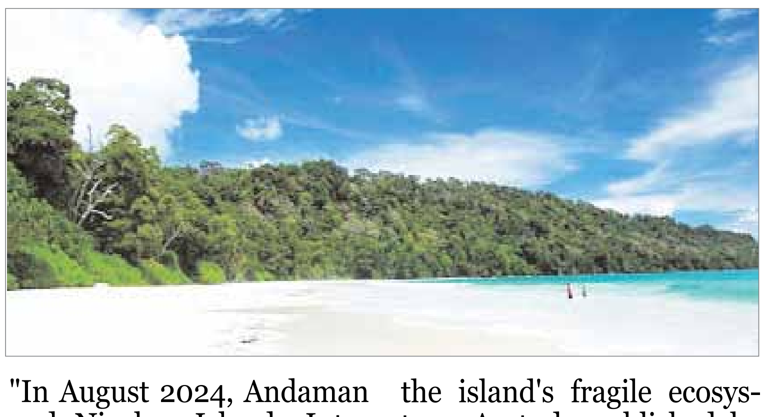

New Delhi, Agency: The proposed Great Nicobar infrastructure project has come under scrutiny after Congress leader Rahul Gandhi described it as "destruction dressed in development's language" in a video from the project site. Great Nicobar Island, the largest in the Nicobar archipelago, is a UNESCO-recognised biosphere reserve known for its rich biodiversity and indigenous communities such as the Nicobarese and Shompen.

A key point of contention is the scale of deforestation. While the government has stated that up to 7.11 lakh trees may be felled within 49.86 sq km of forestland, independent assessments suggest significantly higher figures. A researcher, speaking on anonymity, pointed to inconsistencies in official data over time, indicating uncertainty in the actual number of trees to be cut. "In August 2024, Andaman and Nicobar Islands Integrated Development Corporation Limited (ANIIDCO) invited expressions of interest for 'enumeration, felling, logging and transportation of these trees'. This indicated, first and foremost that the project proponent did not actually know the number of trees to be cut. How could the government then estimated that over 8 lakh trees will be axed?" a researcher requesting anonymity told The Tribune.

Environmentalists have also flagged concerns about the island's fragile ecosystem. A study published by Cambridge University Press in 1994 warned that expanding population and land-use changes in the Andaman and Nicobar Islands could adversely affect their flora, fauna and overall ecological balance.

Questions have also been raised about the project's long-term sustainability. Researchers note that the current population of the islands, estimated at around five lakh, could increase significantly due to the project, placing additional pressure on resources such as freshwater. The region's classification under Seismic Zone V - the highest earthquake risk category - has further added to concerns about infrastructure safety.

"If there is a tectonic shift the transshipment port will not exist. The safety of the people is at risk. Where has this aspect been incorporated into the project proposal," the researcher said.

In February, the National Green Tribunal declined to interfere with the environmental clearance granted to the project. The tribunal noted submissions that no part of the project fell within the ecologically sensitive Coastal Regulation Zone-1A after ground verification by a high-powered committee.

However, critics dispute this finding, citing the presence of nesting sites of endangered marine species in areas classified under CRZ-1A, where construction activities are restricted. They have also alleged procedural lapses in the granting of forest clearances.

The financial outlay of the project has also increased, with estimates rising to Rs 90,000-95,000 crore now from the initial Rs 72,000 crore. Scientists studying endemic species in the region, including the Nicobar megapode, have warned that large-scale habitat disruption could have irreversible consequences. The government, however, has defended the project, stating that only 1.82% of the total forest cover of the Andaman and Nicobar Islands will be diverted. It has also emphasised that 65.99 sq. km will be preserved as green zones with no tree felling.

On compensatory measures, the Centre has said afforestation would be undertaken in Haryana, as the high forest cover in the islands limits local options.